घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 231- सोमवार 22- जून 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

70 की उम्र में 50 जैसा दिखें...योग इसमें मददगार,यह सबको जोड़ता है, पीएम ने 5 आसन किए, लोगों को सिखाया : पीएम मोदी

कोलकाता,21 जून 2026। पीएम मोदी रविवार को कोलकाता में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह शामिल हुए। उन्होंने कहा- हमारा लक्ष्य 40 साल की उम्र में 20 साल की उम्र से ज्यादा लचीले होना, 50 साल की उम्र में 30 से ज्यादा ऊर्जावान और 70 की उम्र में 50 साल से ज्यादा स्वस्थ रहना होना चाहिए। पीएम ने कहा कि योग दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन चुका है, जो लोगों,देशों और संस्कृतियों को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 21 जून, जो पृथ्वी का सबसे लंबा दिन माना जाता है, अब पूरी दुनिया में योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। पीएम के साथ कोलकाता के ऐतिहासिक 'रेड रोड' पर हजारों लोगों ने योग किया। पीएम ने ताड़ासन,अर्धचक्रासन,भद्रासन,त्रिकोणासन सहित 5 आसन किए। कॉमन प्रोटोकॉल योग सत्र के दौरान पीएम लोगों के बीच पहुंचे और उनकी योग मुद्राओं को सुधारने में मदद करते नजर आए। विश्व के अलग-अलग हिस्सों से योग की एक से एक अद्भुत तस्वीर आ रही है। पूरा देश योग की उर्जा के चैत्य से भरा हुआ नजर आ रहा है। पूरा विश्व एक-दूसरे से जुड़ा हुआ दिख रहा है। यही तो योग की ताकत है। योग सबको जोड़ता है। योग सबको साथ लाता है।

योग सबके लिए : योग जब स्वभाव में आता है तो मानवीय एकता का आधार पर बन जाता है। योग केवल शारीरिक श्रम का साधन नहीं है। यह किसी एक आयु वर्ग के लिए सीमित नहीं है। योग सबके लिए है। आज के आधुनिक समय में लोग जीवन के असंतुलन से जूझ रहे हैं। उन्हें मशक्कत करनी पड़ रही है। योग बैलेंस जीवन जीने की कला सिखाता है।

50 की उम्र में 30 जैसी एनर्जी जरूरी : पीएम मोदी

जब हम हेल्दी एजिंग (उम्र बढ़ने के साथ सेहतमंद रहने) के लिए योग की बात करते हैं,तो इसका मतलब है- उम्र बढ़ने से क्षमता कम न हो। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि 40 की उम्र में 20 जैसे लचीले हों। 50 की उम्र में 30 से ऊर्जावान रहें। 70 की उम्र में 50 जैसा दिखें और स्वस्थ रहें। इसीलिए 'हेल्दी एजिंग के लिए योग' थीम को सिर्फ बुजुर्गों के लिए नहीं, बल्कि सभी उम्र के लोगों के लिए देखा जाना चाहिए।

14,000 फीट की ऊंचाई से लेकर समुद्र की गहराई में योगाभ्यास,नौसेना और केंद्रीय बलों ने मनाया योग दिवस

नई दिल्ली,21 जून 2026। देशभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। भारतीय नौसेना और केंद्रीय बलों की ओर से योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास किया गया। भारतीय नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। नौसेना की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया, 'मन से शांत। शरीर से मजबूत। सेवा के प्रति समर्पित।' नौसेना की ओर से आगे लिखा गया, 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नौसेना ने 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' थीम को अपनाया है, जिससे एक स्वस्थ और मिशन के लिए तैयार फोर्स की नींव मजबूत हो रही है। भाजपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'समंदर की गहराइयों में भी योग का संकल्प। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारतीय नौसेना के पनडुब्बी योद्धाओं ने योगाभ्यास कर अनुशासन, आत्मबल और भारतीय संस्कृति का अद्भुत संदेश दिया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) जवानों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास किया। सीआरपीएफ की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया कि बेहतर भविष्य के लिए योग! सीआरपीएफ की ओर से 'एक्स' पोस्ट में लिखा गया, 'देश भर में सीआरपीएफ यूनिट्स ने सामूहिक योग सत्रों के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। नई दिल्ली के एसडीजी कैंप में सीआरपीएफ के डीजी जी. पी. सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों ने योगाभ्यास किया। इस साल की थीम 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' के अनुरूप, उनका यह समर्पण हम सभी को जीवन के हर पड़ाव पर फिट और सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करता है।' इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों ने भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। आईटीबीपी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा गया, '14,000 फीट की ऊंचाई पर शरीर, मन और आत्मा को मजबूत बनाना।' आगे लिखा गया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर, लेह-लद्दाख में पैंगोंग त्सो के किनारे आईटीबीपी की 47वीं बटालियन के हिमवीरों ने योग किया और फिटनेस, सहनशक्ति और आंतरिक शक्ति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

बड़ा झटका : ट्रेन में नियम तोड़ा तो लगेगी डबल पेनाल्टी,बिना टिकट यात्रा पर 250 के बजाय 500 रु. जुर्माना

नई दिल्ली,21 जून 2026। ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक बेहद जरूरी और बड़ी खबर सामने आ रही है। भारतीय रेलवे ने सफर को सुरक्षित और अनुशासित बनाने के लिए अपने नियमों में भारी बदलाव कर दिया है। आज से रेलवे परिसर में किसी भी तरह का नियम तोड़ना यात्रियों की जेब पर बहुत भारी पड़ने वाला है क्योंकि रेलवे ने जुर्माने की रकम को सीधे दोगुना यानी डबल कर दिया है। अब अगर कोई भी यात्री बिना टिकट सफर करता हुआ पकड़ा गया, तो उसे 250 रुपए के बजाय पूरे 500 रुपए जुर्माना देना होगा। इसके साथ ही स्टेशनों पर यात्रियों को जागरूक करने के लिए लगातार अनाउंसमेंट यानी लाउडस्पीकर से घोषणाएं की जा रही हैं। अधिनियम 2026 के तहत पुराने रेलवे कानून में यह बदलाव किए गए हैं। पहले इन सख्त नियमों को आगामी 1 जुलाई 2026 से लागू किया जाना था,लेकिन रेलवे बोर्ड ने मुस्तैदी दिखाते हुए इसे तय समय से दस दिन पहले यानी आज 21 जून से ही पूरे देश में लागू करने का बड़ा फैसला किया है। रेलवे प्रशासन का साफ कहना है कि इस सख्ती का मुख्य उद्देश्य ट्रेनों में अवैध वेंडरों पर लगाम लगाना,महिला यात्रियों की सुरक्षा को पुख्ता करना और रेलवे परिसर में अनुशासन बनाए रखना है। नए नियमों के अनुसार अगर कोई पुरुष यात्री महिलाओं के लिए आरक्षित बोगी या सीट पर बिना अनुमति बैठा पाया गया, तो उस पर सीधे 2500 रुपए की भारी पेनल्टी लगाई जाएगी और उसे तुरंत ट्रेन से उतार दिया जाएगा।

भोजपुर एनकाउंटर मामले में न्यायिक जांच की मांग,पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर हुई

भोजपुर,21 जून 2026। बिहार के भोजपुर जिले में हुए एक विवादास्पद पुलिस एनकाउंटर का मामला अब तूल पकड़ चुका है। इस घटना में 28 वर्षीय मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक भरत भूषण तिवारी की मौत ने पूरे राज्य में आक्रोश पैदा कर दिया है। अब यह मामला कानूनी गलियारों में पहुँच गया है, जहाँ इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता गौरव द्विवेदी ने पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को ईमेल और पत्र लिखकर इस मामले में जनहित याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की है कि वह इस कथित फर्जी एनकाउंटर का स्वतः संज्ञान ले और मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच के आदेश दे, ताकि सच्चाई सामने आ सके। अधिवक्ता गौरव द्विवेदी ने अपनी याचिका में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसलों, विशेषकर 'पीयूसीएल बनाम महाराष्ट्र राज्य (2014)' का हवाला दिया है। उन्होंने मांग की है कि घटना में शामिल सभी दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ अनिवार्य रूप से प्राथमिकी दर्ज की जाए। याचिका में यह भी स्पष्ट किया गया है कि राज्य पुलिस पर भरोसा करना मुश्किल है, इसलिए इस पूरे मामले की जांच या तो सीबीआई को सौंपी जाए या फिर पटना हाईकोर्ट के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित विशेष जांच दल द्वारा कराई जाए। इससे न केवल पारदर्शिता बनी रहेगी, बल्कि न्याय की उम्मीद भी बढ़ेगी। याचिका में अदालत से यह भी आग्रह किया गया है कि वे प्रशासन को निर्देश दें कि घटना से संबंधित सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों को तत्काल सुरक्षित किया जाए और उन्हें कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। इसमें भोजपुर एसपी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति, घटना के समय की आधिकारिक पुलिस लॉगबुक, मृतक का विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अस्पताल के मेडिकल रिकॉर्ड्स शामिल हैं।

तमिलनाडु की सीफूड फैक्ट्री में गैस रिसाव,10 की मौत...

65 से ज्यादा घायल,9 वेंटिलेटर पर,मरने वालों में सभी महिलाएं...

चेन्नई,21 जून 2026। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में रविवार को एक सीफूड एक्सपोर्ट फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। रिपोर्ट के अनुसार हादसे में 10 महिला कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 65 से ज्यादा घायल हैं। घायलों में भी 9 वेंटिलेटर पर हैं। गैस रिसाव की घटना सेंट पीटर्स पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स यूनिट में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही अरक्कोनम स्थित एनडीआरएफ की चौथी बटालियन मुख्यालय से 30 सदस्यों वाली एनडीआरएफ की टीम को मौके पर भेजा गया।

मृतकों के परिजनों को दो लाख का मुआवजा

तमिलनाडु सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। साथ ही अस्पतालों में भर्ती कर्मचारियों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

9 मरीजों को चैन्नई रेफर किया गया

जिला कलेक्टर एस. कविता ने बताया कि 46 मरीजों को वेल्स हॉस्पिटल और 21 मरीजों को वेंकटेश्वरा हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। इनमें से नौ गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए एम्बुलेंस के जरिए चेन्नई के सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। हादसे का शिकार हुई अधिकांश कर्मचारी 24 से 25 वर्ष की युवा महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों की नाड़ी और रक्तचाप की निगरानी की जा रही है। हालांकि कई मरीजों का ब्लड प्रेशर कम है, लेकिन उनकी कम उम्र को देखते हुए उनके स्वस्थ होने की उम्मीद जताई जा रही है। मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने तीन सदस्यीय समिति गठित करने के आदेश दिए हैं। समिति में औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशक, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव और लोक स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक को शामिल किया गया है। सरकार ने समिति को 24 घंटे के भीतर अंतरिम रिपोर्ट और तीन दिनों के भीतर अंतिम रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। जांच में गैस रिसाव के कारणों, सुरक्षा मानकों के पालन और संभावित लापरवाही की पड़ताल की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राज्य के आईटी मंत्री, जो तिरुवल्लूर जिले के निगरानी मंत्री भी हैं, तथा निगरानी अधिकारी केपी कार्तिकेयन को तुरंत जिले में पहुंचने के निर्देश दिए हैं।

हैदराबाद में नीट परीक्षा से पहले छात्रा की मौत,सुसाइड नोट से खुलासा

नई दिल्ली,21 जून 2026। शिक्षा और करियर की दौड़ के बीच मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा फिर से चर्चा का विषय बन गया है। हैदराबाद के मियापुर इलाके में एक बेहद दुखद घटना सामने आई है, जहाँ 19 वर्षीय छात्रा शेख सना ने नीट-यूजी परीक्षा के तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। वह मियापुर के जयबेरी कल्पना अपार्टमेंट में अपनी बहनों के साथ रहती थी और लंबे समय से नीट परीक्षा की तैयारी में जुटी थी। उसके पिता कुवैत में कार्यरत हैं और मां घटना के कुछ दिन पहले ही किसी कार्यवश शहर से बाहर गई थीं। पढ़ाई के अत्यधिक दबाव और परीक्षा में असफलता के डर ने इस युवा छात्रा को इतना विचलित कर दिया कि उसने मौत को गले लगाना बेहतर समझा। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें सना ने स्पष्ट लिखा है कि उसकी मौत के लिए कोई भी अन्य व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है। यह नोट उसकी अंदरूनी मानसिक पीड़ा और अकेलेपन को दर्शाता है। मियापुर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए गांधी हॉस्पिटल भेजा। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है। हालांकि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन यह सवाल अनुत्तरित है कि आखिर क्यों एक मेधावी छात्र का सपना इस कदर बोझ बन जाता है कि वह अपनी जान तक दे देता है।

भारत के समुद्री बेड़े में एक साथ शामिल हुए 3 जहाज,नौसेना की युद्धक क्षमता बढ़ेगी

नई दिल्ली,21 जून 2026। भारत के समुद्री बेड़े में रविवार को एक साथ तीन जहाजों का शामिल होना बड़ी उपलब्धि है। साथ ही भारतीय नौसेना की समुद्र में ताकत बढ़ी है। इसमें एक जहाज गहरे समुद्र और तटीय इलाकों के हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे अब खोज और बचाव कार्यों में और तेजी आ सकेगी। घातक ब्रह्मोस मिसाइलों, टॉरपीडो और रडार से बचने की उन्नत तकनीकों से लैस आईएनएस दूनागिरी मिलने से नौसेना की युद्धक क्षमता बढ़ेगी। नौसेना में शामिल किया गया आईएनएस अग्रय पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है, जिससे पानी में ही दुश्मन की पनडुब्बियों को नष्ट करने की क्षमता बढ़ेगी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तीन अत्याधुनिक स्वदेशी जहाजों आईएनएस अग्रय, आईएनएस दूनागिरी और आईएनएस संशोधक राष्ट्र को समर्पित किये। तीनों जहाजों का औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल होना निश्चित ही भारत की बढ़ती समुद्री ताकत का प्रमाण है। तीनों ही जहाजों का निर्माण भारत में स्वदेशी सामग्री के साथ किया गया है। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री निगरानी, सुरक्षा और अनुसंधान क्षमताओं को बड़ी मजबूती मिलेगी।

रिवर्स ऑपरेशन लोटस हुआ बीजेपी सख्त,विधायकों को धार्मिक स्थल पर कसम दिलाएगी पार्टी

बेंगलुरु,21 जून 2026। कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में अपनी ही पार्टी के खिलाफ क्रॉस वोटिंग होने से नाराज बीजेपी विधायकों पर एक्शन के मुड़ में नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि क्रॉस वोटिंग करने वाले एमएलए की पहचान के लिए बीजेपी ने अपने सभी विधायकों को प्रसिद्ध मंदिर वाले शहर धर्मस्थल ले जाएगी, जहां उन्हें को भगवान के सामने शपथ लेने को कहा जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि पार्टी के अंदर सियासी सेंधमारी के बाद बीजेपी नेतृत्व ने बागी विधायकों की पहचान करने के लिए इस कड़े और धार्मिक रास्ते को चुना है। सभी विधायकों को धर्मस्थल शहर में स्थित ऐतिहासिक मंदिर में मुख्य देवता भगवान शिव के सामने ले जाया जाएगा।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का धरना दूसरे दिन जारी,बोले...धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक नहीं हटेंगे

नई दिल्ली,21 जून 2026। शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक, नीट अभ्यर्थियों और छात्र आत्महत्या के मामलों को लेकर जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का धरना दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते, तब तक आंदोलन खत्म नहीं होगा। वहीं निर्धारित समय सीमा खत्म होने के बाद भी धरना जारी रहने पर दिल्ली पुलिस ने इसे अवैध घोषित कर दिया और प्रदर्शनकारियों को स्थल खाली करने की चेतावनी दे रहे हैं। धरना स्थल पर पुलिस द्वारा बार-बार यह घोषणा की गई कि प्रदर्शन की अनुमति समाप्त हो चुकी है और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार धरना अब गैरकानूनी माना जाएगा। इस दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने पुलिस की घोषणा का जवाब देते हुए कहा कि यदि धरना गैरकानूनी है तो उन बच्चों की मौतों की जिम्मेदारी तय क्यों नहीं की जा रही, जिनके आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस नियम के तहत एक मंत्री बच्चों की मौतों और शिक्षा व्यवस्था पर उठ रहे गंभीर सवालों के बावजूद अपने पद पर बना रह सकता है। अभिजीत ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है और इसके लिए बार-बार अनुमति की शर्त लगाना लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने जैसा है।

पुलिस की कहानी में कई चेहरे..आखिर सच्चाई का चेहरा कौन सा?

गैंगवार,आगजनी या सुनियोजित हत्याकांड,पुलिस के अलग-अलग बयानों से बढ़ रहा भ्रम...

रवि सिंह

कोरिया,21 जून 2026 (घटती-घटना)। कोरिया नौगई तिहरा हत्याकांड की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे पुलिस की कार्यप्रणाली और उसके आधिकारिक बयानों को लेकर नए सवाल खड़े होते जा रहे हैं, सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर पुलिस इस पूरे घटनाक्रम को किस रूप में देख रही है, कभी पुलिस के बयान में 'गैंगवार' की झलक दिखाई देती है, कभी इसे 'आपसी रंजिश' का परिणाम बताया जाता है और कभी 'आगजनी की घटना' के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, ऐसे में आम जनता और मृतकों के परिजनों के मन में यह स्वाभाविक संदेह उत्पन्न हो रहा है कि आखिर पुलिस स्वयं इस घटना की वास्तविक प्रकृति को लेकर कितनी स्पष्ट है।

यदि गैंगवार थी तो एक पक्ष ही क्यों हुआ तबाह?-घटनास्थल की परिस्थितियां, तीन लोगों की दर्दनाक मौत, दो लोगों का गंभीर रूप से घायल होना और आरोपियों द्वारा पूर्व तैयारी किए जाने की बात कई ऐसे संकेत देते हैं जो इस घटना को साधारण आगजनी या सामान्य विवाद से कहीं अधिक गंभीर बनाते हैं, यदि यह वास्तव में गैंगवार थी तो दोनों पक्षों में समान रूप से संघर्ष और क्षति के प्रमाण दिखाई देने चाहिए थे, स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि आमने-सामने की भिड़ंत हुई थी तो आरोपियों के शरीर पर भी गंभीर चोट या झुलसने के निशान मिलने चाहिए थे, लेकिन अब तक सामने आई जानकारी में नुकसान लगभग पूरी तरह एक ही पक्ष को हुआ दिखाई देता है, ऐसे में गैंगवार की थ्योरी पर भी सवाल उठ रहे हैं।

आगजनी की घटना या पहले से बनाई गई रणनीति?- मामले में आरोपियों द्वारा पूर्व तैयारी किए जाने, संभावित हमले की आशंका के चलते योजना बनाने तथा बाद में हुई कार्रवाई को लेकर स्वयं पुलिस के बयानों में कई बातें सामने आई हैं, ऐसे में लोगों का सवाल है कि यदि तैयारी पहले से थी तो फिर यह केवल आगजनी की घटना कैसे मानी जा सकती है, घटनास्थल का दृश्य, वाहनों को घेरने की चर्चा और एक साथ कई लोगों को निशाना बनाए जाने की परिस्थितियां इस घटना को सामान्य आगजनी से कहीं अधिक गंभीर बनाती हैं, यही कारण है कि परिजन और सामाजिक संगठन इसे सुनियोजित सामूहिक हत्याकांड मानते हुए स्वतंत्र जांच की मांग कर रहे हैं।

पुलिस के बदलते बयान पैदा कर रहे संदेह- पूरे मामले में पुलिस के शुरुआती और बाद के बयानों को लेकर भी चर्चा जारी है, पहले घटना को बिजली के तार से लगी आग की संभावना से जोड़ने की बात सामने आई, बाद में गैंगवार, फिर आपसी रंजिश और आगजनी जैसे अलग-अलग पहलुओं पर जोर दिया गया, लोगों का कहना है कि यदि जांच स्पष्ट दिशा में आगे बढ़ रही है तो घटना की प्रकृति को लेकर बार-बार अलग-अलग व्याख्या सामने क्यों आ रही है, यही कारण है कि पुलिस की निष्पक्षता पर भी सवाल उठ रहे हैं और मामले में पारदर्शी जांच की मांग तेज होती जा रही है।

कमजोर विवेचना आरोपियों के लिए बन सकती है राहत का आधार- किसी भी जघन्य अपराध में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका विवेचना की होती है, यदि जांच मजबूत नहीं हुई, साक्ष्य वैज्ञानिक तरीके से एकत्र नहीं किए गए या आरोप पत्र में कमियां रह गईं तो इसका लाभ आरोपियों को न्यायालय में मिल सकता है, मृतकों के परिजनों का कहना है कि इस मामले में न्याय केवल गिरफ्तारी से नहीं मिलेगा बल्कि ऐसी विवेचना से मिलेगा जो न्यायालय में टिक सके और दोषियों को सजा दिला सके,इसलिए पुलिस को अब बयानबाजी से अधिक साक्ष्य आधारित जांच पर ध्यान देना चाहिए।

न्याय की गुहार लेकर मंत्री के सामने हाथ जोड़कर खड़ा रहा पीड़ित परिवार-नौगई तिहरे हत्याकांड के बाद सबसे मार्मिक दृश्य उस समय देखने को मिला, जब मृतकों के परिजन न्याय की उम्मीद लेकर प्रभारी मंत्री के सामने हाथ जोड़कर खड़े नजर आए, अपनों को खोने का दर्द झेल रहे परिवार की आंखों में आंसू थे और जुबान पर सिर्फ एक मांग–निष्पक्ष जांच और न्याय, परिजनों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की तथा मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की गुहार लगाई, हालांकि मंत्री ने परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया, लेकिन सवाल अब भी वही है कि क्या यह भरोसा न्याय में बदलेगा या केवल आश्वासन बनकर रह जाएगा, पीड़ित परिवार आज भी जवाबों और न्याय की प्रतीक्षा में है, उनके लिए यह केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि अपने खोए हुए परिजनों के लिए न्याय की लड़ाई है, अब यह आने वाला समय ही तय करेगा कि उनकी यह पुकार व्यवस्था तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचती है और न्याय का रास्ता किस दिशा में आगे बढ़ता है।

अब विवेचना ही तय करेगी न्याय की दिशा...

फिलहाल जिले की जनता,सामाजिक संगठन और मृतकों के परिजन इसी बात पर नजर लगाए हुए हैं कि पुलिस की आगे की कार्रवाई किस दिशा में जाती है, विवेचना कितनी मजबूत होती है, आरोप पत्र कितना तथ्यपरक होता है और जांच कितनी पारदर्शी रहती है, यही तय करेगा कि नौगई तिहरे हत्याकांड में पीड़ित परिवार को न्याय मिलता है या नहीं,नौ नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब मामला पूरी तरह विवेचना और न्यायिक प्रक्रिया के चरण में पहुंच चुका है, ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि पुलिस इस घटना को आखिर किस रूप में स्थापित करती है–गैंगवार, आगजनी, आपसी रंजिश या फिर एक सुनियोजित सामूहिक हत्याकांड। इसका उत्तर अब केवल निष्पक्ष और मजबूत जांच ही दे सकती है।

संपादकीय

हानिकारक दवाएं

केंद्र सरकार ने 16 ऐसी दवाओं पर रोक लगाने का फैसला किया,जिन्हें दो या इससे अधिक औषधियों को मिलाकर उन्हें गोली,कैप्सूल या सीरप के रूप में बनाया जाता है। फिक्स्ड डोज कांबिनेशन यानी एफडीसी कही जाने वाली इन दवाओं के निर्माण,वितरण और बिक्री पर रोक इसलिए लगानी पड़ी,क्योंकि यह पाया गया कि उनके उपयोग का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं था और उनका लगातार इस्तेमाल हानिकारक भी था।

प्रश्न यह है कि यदि ऐसा था तो फिर इन दवाओं को बनाने और बेचने की अनुमति दी ही क्यों गई? केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के इस स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि यह कदम जनस्वास्थ्य की रक्षा करने,दवाओं के तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने और लोगों के लिए केवल वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

आखिर यह काम समय रहते क्यों नहीं किया गया? ध्यान रहे इनमें से कई दवाएं ऐसी हैं, जो न जानें कब से बन और बिक रही थीं। यह पहली बार नहीं है, जब एफडीसी दवाओं पर रोक लगाई गई हो। इसके पहले भी वैज्ञानिक समीक्षा के बाद कई एफडीसी दवाओं पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

किसी के लिए भी यह समझना कठिन है कि आखिर एफडीसी या फिर अन्य दवाओं की उपयोगिता,गुणवत्ता आदि की पहले ही जांच-परख क्यों नहीं होती? यहां इसकी भी अनदेखी न की जाए कि 16 दवाओं की जांच-परख सुप्रीम कोर्ट के एक निर्देश के बाद की गई। एक तरह से जो काम सरकार को अपने स्तर पर करना चाहिए था, वह उसने तब किया, जब सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए उसे निर्देश दिया। इससे यही पता चलता है कि अपने देश की दवा नीति ठीक नहीं।

इसके प्रमाण भी मिलते रहते हैं। रह-रहकर दोयम दर्जे की या फिर नकली दवाओं के मामले सामने आते ही रहते हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन जब भी दवाओं की गुणवत्ता जांच रिपोर्ट जारी करता है तो यही सामने आता है कि तमाम दवाओं के सैंपल फेल पाए गए। कई बार दवाओं के सैंपल इतने खराब होते हैं कि राज्य सरकारों को संबंधित दवा कंपनियों के लाइसेंस निलंबित करने पड़ते हैं। इसके बाद भी घटिया,नकली दवाओं के बनने और बिकने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

सबसे चिंताजनक स्थिति कफ सीरप की है। पिछले वर्ष विषाक्त कफ सीरप के सेवन से 20 से अधिक बच्चों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सरकार घटिया कफ सीरप बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्ती बरतती दिखाई दी, लेकिन सच यह है कि ऐसे कफ सीरप का निर्माण थम नहीं रहा है। अब सरकार ने यह तय किया है कि बिना डाक्टरों के पर्चे के कफ सीरप नहीं मिलेगा। कोई भी समझ सकता है कि घटिया कफ सीरप बनने और बिकने की गंभीर समस्या के समाधान का यह प्रभावी तरीका नहीं।

न्याय का दोहरा पैमाना या व्यवस्था का विरोधाभास?

रवि सिंह
बैकुंठपुर,कोरिया

- एक राज्य में आत्मसमर्पण के बाद एनकाउंटर,दूसरे राज्य में तिहरा हत्याकांड के बाद आत्मसमर्पण आखिर कानून की दिशा कौन तय कर रहा है?
- एक देश,एक कानून...फिर न्याय की तस्वीर अलग-अलग क्यों दिखती है?

बिहार के भोजपुर जिले में 17 जून 2026 को हुई भारत भूषण तिवारी की मौत और छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के नौगई गांव में 16 जून 2026 को हुए तिहरे हत्याकांड ने कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं,दोनों घटनाएं अलग-अलग राज्यों में हुईं,लेकिन दोनों में एक समानता है कि दोनों राज्य भाजपा शासित हैं,इसके बावजूद दोनों मामलों में पुलिस कार्रवाई की जो तस्वीर सामने आई है,वह एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत दिखाई देती है।

बिहार के मामले में चर्चा इस बात की है कि भारत भूषण तिवारी का एनकाउंटर हुआ,विभिन्न माध्यमों में यह भी कहा गया कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ था और आत्मसमर्पण की स्थिति में था, यदि ऐसा था तो यह सवाल स्वाभाविक है कि आत्मसमर्पण की स्थिति में पहुंचे व्यक्ति के खिलाफ घातक पुलिस कार्रवाई की नौबत क्यों आई? किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह अपेक्षा की जाती है कि यदि कोई व्यक्ति हथियार डाल देता है या पुलिस के नियंत्रण में आ जाता है,तो उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई न्यायालय के माध्यम से हो,ऐसे में यह मामला केवल एक व्यक्ति की मौत का नहीं बल्कि पुलिस कार्रवाई की प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों का विषय बन गया है। दूसरी ओर छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले का नौगई तिहरा हत्याकांड है, यह घटना अपनी क्रूरता के कारण पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में चर्चा का विषय बनी, आरोप है कि चार लोगों को वाहन में बंद कर आग लगा दी गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया,किसी व्यक्ति को जिंदा जलाना सामान्य अपराध नहीं माना जा सकता, यह ऐसा अपराध है जो समाज को झकझोर देता है और लोगों के मन में भय पैदा करता है,ऐसी घटना के बाद आमतौर पर जनता की अपेक्षा होती है कि पुलिस आरोपियों तक पहुंचने के लिए सख्त कार्रवाई करेगी,लेकिन इस मामले में चर्चा गिरफ्तारी से ज्यादा आत्मसमर्पण को लेकर हुई,यही बात लोगों के मन में सवाल पैदा कर रही है, जिस अपराध में तीन लोगों की जान चली गई, उस मामले में आरोपियों के आत्मसमर्पण की कहानी सामने आती है,जबकि दूसरे राज्य में आत्मसमर्पण की चर्चा के बीच एनकाउंटर की खबर सामने आती है।

इन दोनों घटनाओं को साथ रखकर देखने पर सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि आखिर कानून का व्यवहार किस आधार पर तय हो रहा है? क्या हर मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली एक जैसी है? क्या सभी आरोपियों के लिए समान मानक अपनाए जाते हैं? यदि हां, तो दोनों घटनाओं की तस्वीर इतनी अलग क्यों दिखाई देती है? कानून का मूल सिद्धांत यह है कि अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो,उसे न्यायालय के सामने पेश किया जाए और वहीं उसके अपराध का निर्धारण हो,पुलिस की भूमिका अपराध की जांच और आरोपी को कानून के सामने लाने तक सीमित मानी जाती है,लेकिन जब किसी मामले में एनकाउंटर और किसी दूसरे मामले में आत्मसमर्पण की चर्चा प्रमुख हो जाती है, तब लोगों के मन में स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है,नौगई कांड और भोजपुर की घटना में एक और समानता है,दोनों मामलों ने जनता के बीच यह बहस छेड़ दी है कि क्या देश में न्याय की प्रक्रिया हर जगह एक जैसी दिखाई देती है? क्या अलग-अलग परिस्थितियों में कानून का स्वरूप भी बदल जाता है? या फिर यह केवल घटनाओं की प्रकृति और परिस्थितियों का अंतर है?लोकतंत्र में न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है,यह विश्वास तभी मजबूत रहता है जब कानून का व्यवहार निष्पक्ष और पारदर्शी दिखाई दे, यदि किसी कार्रवाई पर सवाल उठते हैं तो उनका जवाब भी उतनी ही पारदर्शिता से दिया जाना चाहिए,क्योंकि न्याय केवल किया जाना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसका निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही जरूरी होता है,आज बिहार और कोरिया की घटनाएं केवल दो आपराधिक मामलों तक सीमित नहीं हैं, ये घटनाएं उस व्यापक सवाल को जन्म दे रही हैं कि क्या देश में कानून का व्यवहार हर मामले में समान रूप से दिखाई देता है? जब तक इन सवालों के स्पष्ट और भरोसेमंद जवाब नहीं मिलते, तब तक ये दोनों घटनाएं चर्चा और विवाद का विषय बनी रहेंगी।

कभी वज्र थी किसान की छाती,अब कमजोर क्यों?

आत्माराम यादव पीव
नर्मदापुरम,मध्यप्रदेश

कठिन दौर में भी भारत की विभूति से अलंकृत था किसान...

भारत के किसान को देश का मेरुदंड माना गया है ओर उसके जीवन के संघर्षों से उबरकर साहसी बनने के कारण ही कभी उसकी छाती व्रज के समान कठोर हुआ करती थी,जो किसान को उसकी अपरिमित सहनशक्ति से प्राप्त हुई थी,आज वह किसान आधुनिकता की दौड़ में कमजोर हो गया है। आज देश में 70-80 प्रतिशत लोग खेती पर निर्भर है तभी किसान की ओर यह देश बड़ी आशाओं के साथ देख रहा है ओर उसे राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक मानकर उसकी भुजाओं के बल पर उत्साह करता है कि वह मिट्टी की गोद में पला बढ़ा मिट्टी से अनाज पैदा करके परोपकार में लगा है। अपनी ननिहाल में बचपन में मामा जी के साथ मैंने किसानी का काम भी किया है,दराते से फसल काटने ओर बैलों से दामन कराकर फसल उड़ाने का अनुभव है वही हार्वेस्टर से फसल काटकर घर में रखने का अनुभव है इसलिए में किसान के दर्द को जानता हूँ-का दुःख जाने दुखिया का,का दुःख जाने दुखिया माई,जाके पैर न फटी बिबाई ,सो का जाने पीर पराई। दिन-रात खेत में अपना हाड़-मास गलाकर खेती करता है किसान। धूप में तपता है, कीचड़ में सड़ता है,जाड़े में ठिठुरता है किसान। सूखा पड़ने पर अत्यधिक बरसात होने पर फसल बर्बाद होने पर सहता है किसान। पुराने परंपरागत किसानी के लिए डाक कवि,भड़डरी कवि ओर घाघ कवि की लोकोक्तियों को वह कम्पुटर की तरह विश्वास करके वर्षा, सूखा पड़ने,अतिवृष्टि का अनुमान लगाकर खुद ही मौसमविभाग की तरह मौसम वैज्ञानिक की तरह प्रयोग कर खेती करता किसान भड्डरी की कहावतों से जुड़ जाता है।

कलसे पानी गरम है,चिरिया न्हावे धूर।
अड़ा ले चींटी चढ़े,भड्डी बरखा पूर।

घड़े में जल का गरम रहना, चिड़ियो का धूप में नहाना ओर चींटियों का पाने अड़ो को लेकर ऊपर चढ़ना सिद्ध करता है की बरसात अच्छी होगी। दूसरी ओर उनका यह भी कहना है की-

सावन सुकला सप्तमी,छिपी के उगे जो भान,
तब लगि भड्डरी बरसि है,जब उठी देव उठान।

अर्थात अगर श्रावण शुक्ल सप्तमी को यदि बादलों के कारण उगता हुआ सूर्य दिखाई न दे तो समझिए की देवउठनी एकादसी तक बर्षा होती ही रहेगी। घाघ कवि के अनुसार-

चौदस पूनो जेठ की,वर्षा वरसे जोय। चोमासे बरसे नही, नदीयन नीर न होय।

अगर जेठ की चौदस ओर पूनो को वर्षा हो जाये तो चार महीने तक बरसात नहीं होती है ओर नदिया सुख जाती है। डाक कवि कहते है-

किसावन पछवा भादों पुरवा आसिन बहे इसान।
कातिक कंत सीस न डोले,कहा का राखव धान।

अर्थात जब सावन महीने में पछ्वा हवा बहने लगे ओर भादों के महीने मे पुरबा हवा बहने लगे ओर कार्तिक के महीन मे बिलकुल हवा न चले जिससे सीस भी न डोले तो समझना चाहिए कि इतना धान होगा कि किसान के घर में जगह कम पड़ जाएगी। तब किसान के लिए ये कविगण के वाक्य ही वैज्ञानिक के वाक्य थे आज आधुनिक तंत्र आ गया है ओर यह प्राचीन तंत्र मंत्र चला गया है। तब किसान हर परिस्थिति से तालमेल रखकर जीता था ओर कितनी भी विपत्ति आ जाये आत्महत्या जैसे कायराना विचारों से दूर रहते हुये जीने का संदेश देता था। खेती को लेकर परिवार में बटवारा,घरों में बटवारा जैसे गंभीर हालत तब मुश्किल से 10 प्रतिशत देखने को मिलते ओर पूरा परिवार सयुंक्त परिवार की रीढ हुआ करता था। वह समय भी इन किसानों के जीवन में दस्तक देता था जब ये शासकों से सताये जाते थे,उनकी आय का बटवारा उन्हे कर्ज देने वाले गाँव के लाला,मुंशी,जमीदर लाठी के बलपर कर लिया करते थे,किसान कि उपज के बटवारे में किसान को उसके पसीने का मूल्य भी नहीं मिल पाता था। किसान जमीदारों-कर्जदारों की छीनाछपटी से भयभीत था,उसके पूरे परिवार का अस्तित्व दमित था, वह परिवार सहित भूखा रहता था ओर उसकी उपज पर हिस्सा लेकर पूरी फसल हथियाने वाले शोषणकर्ता मोहनभोग पाकर भी किसानको अपने कर्जे से मुक्त नहीं करते थे। ऐसे ही किसान के दर्द को सँजोती हुई एक फिल्म मदर इंडिया के लाला का जीवंत चरित्र हर किसान को अपने जीवन का ही हिस्सा लगता था। तब के किसान की हिम्मत वंदनीय थी जब वह मई जून कि आग बरसती गर्मी में अपने बैलों को हल में जोतकर खेतों में निकल जाता था। किसानों के शरीर से पसीना बहता पर उसके कदम आग उगलती गर्मी में कभी नही थमते ओर नंगे पाँव वह खेतों में काम करता था। घनघोर बरसात ओर आसमान से बिजली के चमकने-गिरने का जानलेवा शब्द भी उसे विचलित नही करता था। उसके तन पर लंगोटी होती,आज जैसे पूरे कपड़े उसने नहीं पहने होते,घर झोपड़ानुमा कवेलु का होता जिसके आधे भाग में वह रहता ओर आधे में उसके गाय-बैल बंधे होते ओर भूसा-चारा रखा होता। तब किसान अन्नदाता ओर देवता के तरह माना जाता था ओर उनके पैरो में युग कि शक्ति ओर हाथों में महानता होती जो देश कि आन-बान-शान कहलाती थी। इनके इरादे

मजबूत होते थे लेकिन स्थिति इन्हे विपन्नता के दलदल में ले जाती थी ओर खेती पर निर्भर होने के कारण इनके पूरे परिवार के पास कोई अन्य रोजगार का साधन या व्यवसाय नहीं था, यही कारण था की अधिकांश किसानो के बच्चे पढ़ने के वंचित रहते थे तब परिवार का बड़ा बेटा खुद अपढ़ रहकर अपने छोटे अन्य भाई बहिनों को पढ़ाने में अपना जीवन होम कर दिया करते थे, लेकिन हर हाल में साहस बनाए रखते थे।

हिंदुस्तान में किसान के त्याग ओर बलिदान ओर उसकी सेवा ने उसे धन्यता प्रदान की है ओर उसकी छाती को पाषाण के तरह व्रज सी कठोर मानते हुये उसका हृदय गेहूं की बाल के समान श्रीसंपन्न माना गया जो खेत कि मिट्टी में सोना पैदा कर दूसरों कि निर्धनता को समाप्त करता है जिसे किसी कवि ने कहा है-

बांध कुदारी खुरपी हाथ,जो लाठी का राखे साथ।
काटे घास निराबे खेत,बहै किसान करें निज हेत॥
जो अपने हाथे फावड़ा लईके,खेत में डारे माटी।
ते करे घर मा कमला देवी, बइठे पारे पाटी॥

किसान का रिश्ता धरती मैया से था,ओर धरती मैया को उसने कभी माटी नहीं माना। धरती मैया को ही मिट्टी के रूप में पूजनीय स्थान देते हुये उसने अपना स्नेह का नाता जोड़ा था, ठीक उसी प्रकार जैसे चातक का नाता मेघ से होता है। तब किसान के सामने अकाल पड़ता तो वह अपनी पूरी अंतरात्मा के साथ रो पड़ता था किन्तु धरती को मैया मानने के कारण वह धरती से संबंध जोड़े रखता ओर मिट्टी मैं अपने बैलों को लेकर श्रम करना नही भूलता था। कष्ट आने पर सामान्य व्यक्ति हार मान लेता किन्तु किसान अकेला था जो अपनी छाती को कठोर किए हारता नही था ओर हर संकट को चुनोती देकर अपनी हड्डियाँ गलाने से बाज नहीं आता था। वह यह नहीं सोचता था बरसात नही हुई, तो फसल कैसे मिलेगी? मिट्टी को अपने माथे पर लगाकर धरती मैया से बरसात की प्रार्थना करता ताकि फसल के आने के बाद लगान ओर कर्ज कि चिन्ता जो उसकी ओर उसके परिवार कि खुशियों को दर्द ओर पीड़ा में तब्दील न करे इस भाव को तत्समय के एक कवि ने किसान की व्यथा ओर उसके दर्द को अपने भावों में यूं सहेजा है -

हमारी कैसे चुकत तिहाई। मेड़न-मेड़न हम फिर आए,डीमा देत दिखाई। हाय,कैसे चुकत तिहाई ...।छोटी-छोटी बाल कड़ी नरवाई रई फरमाई॥ हमारी कैसे चुकत तिहाई ...। मांते जिमीदार को आओ बुलउआ, को आ करत सहाई। हमारी कैसे चुकत तिहाई। टलिया-बधियाँ साहू ने ले लई,रे गई पास लुगाई ॥ हमारी कैसे चुकत तिहाई॥

किसान का जीवन गाँव के जमीदार ओर साहूकार के पास गिरवी होता था। बरसात के बाद फसल नही पैदा हो या फसल को कोई बीमारी लग जाये तो किसान पर इस साल का बीज का कर्जा तो होता ओर उसका व्याज भी बढ़ता जो अगले साल की फसल मैं जुड़ जाता था,परंतु पैदावार न होने के बाद भी किसान को किश्त चुकानी होती थी। किसान के जीवन मे प्रकृति का अनोखा खेल चलता था, या किसान की बातों का समर्थन करते तो उसपर परमात्मा का कोप भाजन होता था ओर वह अपने खेत की मेड पर बैठकर आपने जीवी की इस कालिमा को देखकर हताश नही होता था उसकी कठिनाइयों के विषय मे किसी कवि ने बड़ी ही गंभीर त्रासदी को व्यक्त किया है...

माघ मास की झिर सहे,ओर क्वार की घाम।पानी डबरन को पीय,करे किसानी काम॥

किसान की तकलीफ़ों का तब अंत नही था ओर उसके पास पहनने को पर्याप्त कपड़े ओर पैरो में पन्हैया नही होती थी तब आज जैसे सिंचाई के साधन नही थे ओर उसे वर्षा जल पर ही निर्भर होना होता था। आज वसुंधरा धन से परिपूर्ण है ओर किसान धारिणी धारा से वैभव प्राप्त कर अपने पूर्वजों के दु:ख को समझ नहीं पाता है। आज के किसानों को अपने पूर्वज किसान की पीड़ा को समझना है तो उनके अंतर में तब गूंजने वाले गीतों को भी जानना होगा। जब पृथ्वी कठोरहृदया होती ओर किसान सहिष्णु की तरह कष्ट सहता धरती की कुटिल दृष्टि पर भी वह उसे रिझाता ओर तुलसीदास जी द्वारा लिखा यह गीत गुनगुनाता है जियरा सुख गए खटका में । अरे मोड़ा-मोडी रोटी मांगे, नाज नहीं मटका में। जिनके घर के नाज बड़ा गए,मठा पिये अटका में । ऊन्ना फट गए,कपड़ा फट गए,दिन काटे फड़का में । मांगे उधार देत कोऊं नईया, दिल ना सटे अटका में । तुलसीदास आस रघुवर की,प्राण चले अटका में॥ तब किसान को अपना भविष्य पता नही होता था। वह हल उठाता, अपने बैल खोलता ओर खुशी से खेत की ओर बढ़ जाता। उसकी एक ही सोच हुआ करती की अन्न जीवन है,अन्न में सबके प्राण है,ओर प्राणवायु अन्न की उत्पत्ति धरती माँ करती है ओर वह अन्न पैदा करके एक पुजारी की तरह सेवा कर धरती माँ से विश्व के पालन की कामना करता है।

मनभर प्रेम जगाते भोले

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर, मध्यप्रदेश

शंकर बस कर मन में मेरे,
मन भर प्रेम जगाते हैं,
सुबह-शाम के झंझट में वे,
कभी नहीं उलझाते हैं।
शंकर बस कर ....
भोले तो मन के मतवाले,
दिल से हैं भोले भाले,
जो डूबा उनकी भक्ति में,
हैं भोले उसके रखवाले।
शंकर बस कर ...
अगर कहीं विपदा आए तो,
भोले पल में दूर कराएं,
साथ अगर भोले का चाहें,
भोले खुद अंतस आ जाएं।
शंकर बस कर ....
भोले वीणा में भरते हैं,
भक्ति के कुछ सुर अलबेले,
गुंजित होते हैं कुछ स्वर जब,
मंद-मंद मुस्काते भोले।
शंकर बस कर ...
नमन करें भोले को हम सब,
जीवन पार लगाएं,
प्रेम,प्यार शब्दों में बिखरा,
पल-पल सब मुस्काएं।
शंकर बस कर ...

जिस दिन सच्चाई हिम्मत करके बोलेगी...

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक, हरियाणा

सच्चाई आत्मा की तरह अजर अमर है
जुल्म सहकर भी आज तक यह जिंदा है!
जिस दिन हिम्मत करके सच्चाई बोलती है
बड़े-बड़े झूठों का पर्दाफाश करती है
सच्चाई के बोलने से बड़े-बड़े लोगों के
काले धंधों का पर्दाफाश हो जाता है!
सच्चाई कमजोर को इंसाफ दिलाती है
सच्चाई बहुत सारे राज बता देती है
सच्चाई व्यवस्था को बदल कर रख देती है
सच्चाई के कारण फ्रांस में क्रांति आई थी
सच्चाई के कारण महाभारत का युद्ध हुआ था
सच्चाई बड़ों बड़ों की बोलती बंद कर देती है
सच्चाई यही है कि यह संसार नश्वर है
सच्चाई यह है हमें अपनों से खतरा होता है
लोग आमतौर पर सच्चे पर शक किया करते हैं
और झूठ को दंडवत प्रणाम किया करते हैं
लेकिन आखिर में जीत सच की ही होती है
न्यायालय में सच्चाई की कसम खाई जाती है
इसलिए वहां लिखा होता है सत्यमेव जयते!

इंसानियत का मर्म

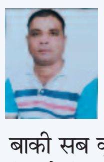

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़,
छत्तीसगढ़

बाकी सब कुछ भूलकर,
जिसने किया जाति धर्म।
वो अहमक क्या जाने,
इंसानियत का मर्म।
ऊंच-नीच की दीवारों में,
जिसने खुद को कैद किया।
नफरत की अंधी गलियों में,
अपना ही सब कुछ खो दिया।
खून का रंग तो एक ही है,
फिर कैसी ये दीवारें हैं।
मजहब के नाम पर लड़ते जो,
वो सोच से हारे हैं।
मंदिर,मस्जिद और गुरुद्वारे,
सब एक ही सीख सिखाते हैं।
पर अज्ञानता के अंधे राही,
आपस में ही लड़ जाते हैं।
सच्चा मजहब तो वो है,
जो रोते को हंसा सके।
गिरते हुए किसी इंसान को,
थाम के गले लगा सके।
छोड़ो ये मजहब की जंग,
आओ हम इंसान बन जाएं।
प्यार और भाईचारे से,
इस दुनिया को स्वर्ग बनाएं।

आप किसी की जिंदगी में सिर्फ़ एक जरूरत की हैसियत रखते हैं,बस...

डॉ. मुस्ताक अहमद सहज
भोपाल,मध्यप्रदेश

इंसानी ताल्लुकात (रिश्तों) का यह एक बेहद कड़वा, हक़ीक़ी और तक़लीफ़देह सच है कि किसी की ज़रूरत होना और किसी के लिए ज़रूरी होना,इन दोनों कैफ़ियतों में ज़मीन-आसमान का फ़र्क़ होता है, और बदक़िस्मिती से इस नफ़्सानफ़्सी के दौर में अक्सर साफ़ दिल और मुख़्लिस (सच्चे) लोग इसी बारीक फ़र्क को न समझ पाने की वजह से महज़ एक सहूलियत बनकर रह जाते हैं और लोग मुसलसल (लगातार) उनका फ़ायदा उठाते रहते हैं। जब आप किसी की ज़िंदगी में सिर्फ़ एक ज़रूरत की हैसियत रखते हैं,तो सामने वाले का बर्ताव,उसकी मोहब्बत और उसके लहज़े की मिठास सिर्फ़ उस वक्त तक क़ायम रहती है जब तक उसे आपकी मदद,आपके वक्त,आपके हुनर या आपके सहारे की तलाश होती है;इस तर्ज़-ए-अमल (व्यवहार) में कोई जज़्बाती वाबस्तगी नहीं होती,बल्कि यह सरासर एक तिजारती (व्यापारिक) सोच है जहाँ तलब ख़त्म होते ही राब्ता (सम्पर्क) ख़त्म हो जाता है और काम निकल जाने के बाद इंसान अपनी मसरूफ़ियात का बहाना बनाकर आपको बड़ी आसानी से पस-ए-पुश्त (पीछे) डाल देता है। इसके बरअक्स (विपरीत), जब आप किसी के लिए वाक़ई ज़रूरी होते हैं, तो उस रिश्ते की बुनियाद किसी ग़र्ज़ (स्वार्थ) या लालच पर नहीं, बल्कि आपकी ज़ात की मसर्रत, आपकी अहमियत और दिली एहतराम (सम्मान) पर टिकी होती है, जहाँ इंसान आपकी मसरूफ़ियत में से भी आपके लिए वक़्त निकालता है, आपके जज़्बात की क़द्र करता है और आपको कभी लावारिस या तन्हा महसूस नहीं होने देता। जो लोग दूसरों की ज़रूरतों को अपनी ज़िम्मेदारी समझकर हर वक़्त दस्तयाब, अवेलेबल रहते हैं,दुनिया अक्सर उनकी इस शराफ़त और ख़ुलूस को उनकी कमज़ोरी तस्लीम कर लेती है, इसलिए इस नफ़्सानफ़्सी और मतलबपरस्ती के माहौल में अपनी नफ़्सियाती और जज़्बाती हिफ़ाज़त के लिए यह बेहद लाज़मी है कि हम खुद अपनी ज़ात की हद बाउंड्रीस तय करें, हर किसी के लिए हर वक्त हाजिर रहना बंद करें और पूरी सुघड़ता व सलीक़े से ना कहना सीखें, क्योंकि जो शख़्स आपकी बेग़र्ज़ मौजूदगी और ख़ुलूस की क़द्र नहीं कर सकता, वह आपके कीमती वक़्त, जज़्बात और आपकी मुख़्लिस शख़्सियत के क़ाबिल ही नहीं है।

विशेष वैचारिक रूप

जहाँ जज़्बात लफ़्ज़ों का रूप ले लें, वहीं सहज़ डॉ मुश्ताक़ अहमद शाह,की क़लम का जादू शुरू होता है। डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़ समकालीन विचारकों और साहित्यकारों में एक ऐसा नाम हैं, जो इंसानी जज़्बात, सामाजिक खोखलेपन और रिश्तों की उलझनों को अपनी गहरी नफ़्सियाती (साइकोलॉजिकल) समझ से कागज़ पर उकेरते हैं। आपकी भाषा में उर्दू की मिठास और हिंदी की सरलता का एक ऐसा बेजोड़ संगम है, जो सीधे पाठक के दिल पर दस्तक देता है। प्रस्तुत लेख में भी उन्होंने आधुनिक दौर के स्वार्थ और रिश्तों के मुखौटों को बेहद बेबाकी से बेनक़ाब किया है।

अपने लक्ष्यों को बड़ा सोचो और उन्हें पाने के लिए दृढ़ संकल्प रखो।
नेल्सन मंडेला

पति पिता के नाम

अनिल कौशिक
गांव क्योड़क
कैथल हरियाणा

मात-पिता की आज्ञा मानी ।
गुरुजनों से सीख निभानी ।।
जैसी- कैसी रंग देह काया ।
संस्कारों की फसली छाया। ।।
मां ने लोरी गाकर सुलाया ।
जनक ने कंधों भार उठाया ।।
मेहनत मजदूरी नेक कमाया ।
पढ़ा लिखा इस योग्य बनाया ।।
सुख- दुख झेले संतान खातिर।
अनजान रहा मन सोया शातिर ।
घर में गंगा भागीरथ नहीं लाते।
बड़भागी सगर पुत्र उद्धार पाते ।।
पितु सेवा कल्याणी डुबकी लगादो ।
श्रवण भाव हिय प्रभु मेरे जगदो ।।
साया रहे उनसे निश वासर शाम ।
ई-मेल पाति कोटि-कोटि प्रणाम ।।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

योग से तन-मन को स्वस्थ रखने का संदेश...

ब्रह्माकुमारीज ने कराया राजयोग और प्राणायाम का अभ्यास

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज अंबिकापुर द्वारा 'स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन के लिए योग' विषय पर दो दिवसीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग, प्राणायाम, म्यूजिकल एक्सरसाइज और राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के पहले दिन ब्रह्माकुमारीज सरगुजा संभाग की संचालिका बीके विद्या दीदी ने योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा है। ऋषि-मुनियों ने योग के माध्यम से अपने तन और मन को स्वस्थ रखा। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन की भागदौड़ में लोग योग, प्राणायाम, व्यायाम और ध्यान से दूर होते जा रहे हैं। अव्यवस्थित दिनचर्या के कारण शारीरिक और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। नियमित योग और ध्यान को जीवन में शामिल कर व्यक्ति अपने कार्य करने की क्षमता को बढ़ा सकता है। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के संचालक अजय तिवारी द्वारा प्राणायाम का अभ्यास कराया गया, वहीं बीके ज्योति बहन ने म्यूजिकल एक्सरसाइज के माध्यम से स्वास्थ्य, ऊर्जा और सकारात्मक सोच का अनुभव कराया। योग दिवस के दूसरे दिन भी कार्यक्रम में म्यूजिकल एक्सरसाइज और योगाभ्यास कराया गया।

बीके विद्या दीदी ने राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से तन और मन को संतुलित रखने के उपाय बताए तथा उपस्थित लोगों को नशामुक्ति की प्रतिज्ञा भी दिलाई। इसके बाद पीजी कॉलेज ग्राउंड में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था की बहनों सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनों ने सहभागिता कर योगाभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवन शैली, सकारात्मक सोच और नियमित योग के प्रति जागरूक करना रहा।

सैनिक स्कूल अंबिकापुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्साहपूर्ण आयोजन,कैडेट्स एवं स्टाफ ने किया सामूहिक योगाभ्यास

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। सैनिक स्कूल अंबिकापुर में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार प्रातः 6:00 बजे विद्यालय परिसर स्थित विक्रम बत्रा ब्लॉक के समक्ष सामूहिक योग सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के कैडेट्स, शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों, पीटीआई स्टाफ, एनसीसी स्टाफ तथा अन्य कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। इस अवसर पर योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा योग को दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने के प्रति जागरूक करना था। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजित सत्र में सभी प्रतिभागियों ने पूर्ण अनुशासन एवं उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। योगाभ्यास के माध्यम से शारीरिक फिटनेस, मानसिक एकाग्रता तथा आत्मिक संतुलन के महत्व को रेखांकित किया गया।

विद्यालय की प्राचार्य कर्नल रीमा सोबती ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी कैडेट्स, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से नियमित रूप से योग अपनाने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

पर्यटन स्थल मैनपाट में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ सामूहिक योगाभ्यास,120 से अधिक लोगों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

जिले के सभी विकासखंडों एवं ग्राम पंचायतों में आयोजित हुए योग कार्यक्रम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सरगुजा जिले के सभी विकासखंडों एवं ग्राम पंचायतों में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिले के पर्यटन स्थल मैनपाट के नर्मदापुर में जनपद पंचायत मैनपाट के तत्वावधान में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मैनपाट श्रीमती खुशबू शास्त्री सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इनमें विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री शाही, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रविशंकर सिंह पैकरा, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा श्री हेमंत लकड़ा, सीएससी श्री कमलेश सिंह, श्री विजय सिंह तथा मंडल संयोजक श्री जयप्रकाश नेती शामिल रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय सहभागिता रही। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री अनिल सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री जमुना प्रसाद यादव ने उपस्थित होकर योग के महत्व पर प्रकाश डाला और नियमित योगाभ्यास को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन की कुंजी बताया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों एवं नर्मदापुर के ग्रामीणों सहित 120 से अधिक लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया और स्वस्थ, निरोग एवं अनुशासित जीवन जीने का संदेश दिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कर योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

छड़ काटने के विवाद में युवक की हत्या,आरोपी गिरफ्तार

दरिमा पुलिस की कार्रवाई,लकड़ी के हरीशा से वार कर वारदात को दिया था अंजाम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। सरगुजा जिले के दरिमा थाना क्षेत्र में छड़ काटने की बात को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने लकड़ी के हरीशा से युवक के सिर पर गंभीर वार कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लकड़ी का हरीशा भी जब्त किया है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल के निर्देशन में थाना दरिमा पुलिस टीम ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

घर के पास छड़ काटने को लेकर हुआ विवाद : पुलिस के अनुसार प्रार्थी गुलशन दास (25 वर्ष), निवासी ग्राम नवगई थाना दरिमा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका छोटा भाई मौसम दास शादी के बाद करीब 3-4 वर्षों से ग्राम पम्पापुर खुटन पारा में अपने ससुराल में घर जमाई बनकर रह रहा था। 20 जून 2026 की सुबह करीब 11.30 बजे रोशन दास ने फोन कर सूचना दी कि मौसम दास को उसके पड़ोस में रहने वाले लिलाम सिंह ने घर के पास छड़ काटने की बात को लेकर विवाद करते हुए लकड़ी के हरीशा से सिर के पीछे गंभीर चोट मार दी है। हमले के बाद मौसम दास मौके पर ही बेहोश होकर गिर गया था। परिजन उसे इलाज के लिए एंबुलेंस से अम्बिकापुर अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपी ने स्वीकार किया अपराध : घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 146/26 धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी के निर्देश पर दरिमा पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम लिलाम सिंह पिता शोभु सिंह (31 वर्ष), निवासी ग्राम पम्पापुर खुटन पारा थाना दरिमा बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने विवाद के दौरान लकड़ी के हरीशा से हमला कर हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी का हरीशा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा से गूंजेगा छत्तीसगढ़ का सांस्कृतिक गौरव

1000 विशिष्टजन विशेष ट्रेन से जाएंगे सोमनाथ धाम,22 जून को रायपुर से मुख्यमंत्री साय करेंगे शुभारंभ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। भारतीय संस्कृति, आस्था और राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक सोमनाथ धाम से छत्तीसगढ़ को जोड़ने के लिए ऐतिहासिक ''सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा'' का आयोजन किया जा रहा है। 22 से 26 जून तक आयोजित इस विशेष यात्रा में प्रदेश के करीब 1000 विशिष्टजन विशेष ट्रेन के माध्यम से गुजरात स्थित सोमनाथ धाम पहुंचेंगे। यात्रा का शुभारंभ 22 जून को सुबह 9 बजे रायपुर रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे। कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर रायपुर के सांसद, विधायक, महापौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहेंगे।

सांस्कृतिक गौरव और आस्था का प्रतीक बनेगी यात्रा : सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की सांस्कृतिक चेतना और गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। हजारों वर्षों के इतिहास में अनेक चुनौतियों के बावजूद

भारतीय संस्कृति और आस्था ने अपनी पहचान बनाए रखी है। इसी भावना को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ से निकलने वाली यह यात्रा उसी राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी को देश की सांस्कृतिक जड़ों, आध्यात्मिक विरासत और राष्ट्रीय गौरव से जोड़ना है।

कलाकार, साहित्यकार और समाजसेवी होंगे शामिल : यात्रा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित विशिष्टजन शामिल होंगे। इनमें पद्म पुरस्कार एवं राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त कलाकार, साहित्यकार, संस्कृति कर्मी, समाजसेवी और जनप्रतिनिधि शामिल हैं। यात्रा के दौरान छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता की झलक भी देखने को मिलेगी। प्रतिभागी अपने-अपने क्षेत्रों की पवित्र मिट्टी और नदियों का जल लेकर सोमनाथ धाम पहुंचेंगे। यह पहल भारत की सांस्कृतिक एकता, आध्यात्मिक समरसता और राष्ट्रीय अखंडता का प्रतीक बनेगी।

सोमनाथ मंदिर दर्शन सहित होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम : यात्रा के दौरान प्रतिभागियों को सोमनाथ मंदिर के दर्शन के साथ विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने का अवसर मिलेगा। मंदिर दर्शन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, कला यात्राएं और ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण होंगे। इस यात्रा के माध्यम से प्रतिभागी भारत की प्राचीन संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को करीब से समझ सकेंगे। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के सांस्कृतिक प्रतिनिधियों के बीच संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

तैयारियों में जुटा संस्कृति विभाग : संस्कृति विभाग द्वारा यात्रा को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। सभी जिलों से चयनित प्रतिभागियों के स्वास्थ्य परीक्षण, यात्रा व्यवस्था और आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। विशेष ट्रेन की यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश : सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रीय एकता का उत्सव है। छत्तीसगढ़ से निकलने वाली यह यात्रा प्रदेश की लोक परंपराओं, कला, साहित्य और आध्यात्मिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देगी। यह आयोजन समाज में भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय गौरव और मूल्यों के प्रति नई प्रेरणा का संचार करेगा।

सरगुजा में शासकीय पत्रकारिता महाविद्यालय की मांग, एनएसयूआई ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

जिलाध्यक्ष आशीष जायसवाल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रखी विद्यार्थियों की समस्या

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। सरगुजा संभाग में पत्रकारिता की उच्च शिक्षा के लिए शासकीय संस्थान खोलने की मांग को लेकर एनएसयूआई के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। शनिवार शाम अम्बिकापुर प्रवास के दौरान एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आशीष जायसवाल के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने सरगुजा जिले में शासकीय पत्रकारिता महाविद्यालय की स्थापना की मांग रखी। ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान समय तक सरगुजा संभाग में पत्रकारिता शिक्षा के लिए कोई शासकीय महाविद्यालय उपलब्ध नहीं है। इसके चलते पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को रायपुर, बिलासपुर और अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है। एनएसयूआई ने कहा कि बाहर जाकर पढ़ाई करने में आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यदि सरगुजा में शासकीय पत्रकारिता महाविद्यालय की स्थापना होती है तो संभाग के छात्रों को अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मांग की कि युवाओं के बेहतर शैक्षणिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए सरगुजा में जल्द से जल्द शासकीय पत्रकारिता महाविद्यालय प्रारंभ किया जाए। एनएसयूआई के अनुसार मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के बाद इस दिशा में पहल करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष सतीश बारी, अभिषेक सोनी, अंकित जायसवाल, अवि गोस्वामी और ऋषभ जायसवाल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में भाई की ईंट-पत्थर से हत्या...नाबालिग समेत दो आरोपी गिरफ्तार

लखनपुर पुलिस की कार्रवाई,घटना में प्रयुक्त ईंट-पत्थर और कपड़े जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश और आपसी विवाद के चलते एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने विधि से संघर्षरत बालक समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने मिलकर मृतक पर ईंट-पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ईंट-पत्थर और आरोपियों के घटना के दौरान पहने गए कपड़े भी जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल के निर्देशन में थाना लखनपुर पुलिस टीम ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

विवाद के बाद दिया वारदात को अंजाम : मामले के अनुसार थाना लखनपुर में मर्ग क्रमांक 62/26 धारा 194 बीएनएसएस के तहत जांच के दौरान मृतक पांडे कोरवा पिता रामधन कोरवा (32 वर्ष), निवासी ग्राम अलगा बेन्दोपानी बेलदगी की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में होना पाया गया। जांच में सामने आया कि 20 जून 2026 की दोपहर के आसपास मृतक का अपने भाई श्रवण कोरवा और विधि से संघर्षरत बालक से पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने के बाद दोनों ने मिलकर हत्या की नीयत से मृतक पर हमला कर दिया। आरोपियों ने ईंट-पत्थर से सिर और कान के पास गंभीर चोट पहुंचाई। वहीं आरोपी श्रवण कोरवा द्वारा मृतक की नाक पर दांत से हमला किए जाने की बात भी जांच में सामने आई। गंभीर चोटों के कारण पांडे कोरवा की मौत हो गई।

घटनास्थल से साक्ष्य किए गए जब्त : मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की मौजूदगी में घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान हत्या में इस्तेमाल किए गए ईंट के टुकड़े और पत्थर को जब्त किया गया। पुलिस ने चश्मदीद गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। फरारी के दौरान मुखबिर की सूचना पर दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुरानी रंजिश और विवाद के चलते हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना के समय पहने गए कपड़े भी बरामद किए।

न्यायालय में किया पेश : पुलिस ने आरोपी श्रवण कोरवा पिता रामधन कोरवा (25 वर्ष),निवासी ग्राम अलगा बेन्दोपानी बेलदगी थाना लखनपुर तथा विधि से संघर्षरत बालक के खिलाफ अपराध क्रमांक 160/26 धारा 103(1), 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। विधि से संघर्षरत बालक को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया,जबकि आरोपी श्रवण कोरवा को न्यायालय में पेश किया गया है।

पुलिस टीम रही सक्रिय

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर उपनिरीक्षक संपत पोटाई, प्रधान आरक्षक सतीश कुमार सिंह, पीतांबर सिंह, आरक्षक सुरेश गुप्ता, रामकुमार यादव, आशीष चौहान और सोहन राजवाड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने लगाया नि:शुल्क विधिक सहायता शिविर

हितग्राहियों को दिया कानूनी परामर्श,आवेदन तैयार कर उपलब्ध कराई सहायता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा विधि प्रकोष्ठ द्वारा संकल्प भवन भाजपा कार्यालय अंबिकापुर में नि:शुल्क विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पहुंचे हितग्राहियों को अधिवक्ताओं द्वारा कानूनी परामर्श दिया गया तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन तैयार कर सहायता उपलब्ध कराई गई। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को सरल एवं सुलभ कानूनी सहायता उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान विभिन्न मामलों से जुड़े हितग्राहियों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिन पर विधि प्रकोष्ठ के अधिवक्ताओं ने आवश्यक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, विद्यानंद मिश्रा, विनोद हर्ष, अरुणा सिंह, दिनेश शुक्ला, अजय सोनी सहित भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधि प्रकोष्ठ की ओर से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अधिवक्ता संजीव कुमार सेठ, अधिवक्ता श्यामलाल गुप्ता, अधिवक्ता अरविंद कन्नौजिया, जिला संयोजक अधिवक्ता जन्मेजय पांडेय, अधिवक्ता आशा जायसवाल, अमरेंद्र गुप्ता, विवेक पांडेय, नीलम केशरवानी, ललिता चौधरी, साक्षी सिंह, ज्योति मंडल, उदयप्रकाश सिन्हा, जयप्रकाश यादव एवं निशांत सिन्हा मौजूद रहे। विधि प्रकोष्ठ पदाधिकारियों ने बताया कि जरूरतमंद लोगों को न्याय प्रक्रिया और कानूनी अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए इस तरह के शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे।

नीट (यूजी) 2026 प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न...जिले में बनाए गए 13 परीक्षा केंद्रों में 4,528 अभ्यर्थी रहे उपस्थित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 का आयोजन जिले में शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं तथा अभ्यर्थियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। अम्बिकापुर शहर में परीक्षा के लिए कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां कुल 5,212 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। परीक्षा में 4,528 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जो कुल पंजीकृत अभ्यर्थियों का 86.88 प्रतिशत है। वहीं, 684 अभ्यर्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे, जिनका प्रतिशत 13.12 रहा। परीक्षा के दौरान सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया गया। अभ्यर्थियों के प्रवेश, पहचान सत्यापन, सुरक्षा जांच तथा परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

विश्व योग दिवस पर कोरिया और एमसीबी में योग की गूंज

हजारों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास,स्वस्थ,निरोग और तनावमुक्त जीवन का लिया संकल्प

मंत्री रामविचार नेताम,विधायक भैयालाल राजवाड़े,कलेक्टर रोक्तिमा यादव,न्यायिक अधिकारियों,बिहान समूहों की महिलाओं और विद्यार्थियों ने दिया योग अपनाने का संदेश

-संवाददाता-
कोरिया/एमसीबी 21 जून 2026
(घटती-घटना)।

12वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोरिया एवं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में उत्साह, ऊर्जा और जनभागीदारी के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिला मुख्यालय बैकुंठपुर स्थित मानस भवन में जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ, वहीं जिला न्यायालय बैकुंठपुर में न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योग शिविर में भाग लिया, दूसरी ओर एमसीबी जिले में बिहान स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने लगभग 200 ग्राम संगठनों, ग्राम पंचायतों और अमृत सरोवरों में योग, स्वच्छता, वृक्षारोपण और जनजागरूकता अभियान चलाकर स्वास्थ्य, पोषण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

मानस भवन में हुआ जिला स्तरीय भव्य योगाभ्यास-'योगा फॉर हेल्दी एजिंग (स्वस्थ आयु के लिए योग)' थीम पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि एवं अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, उन्होंने योग के विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास कर लोगों को नियमित योग अपनाने का संदेश दिया, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री नेताम ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति और ऋषि-मुनियों की अमूल्य देन है, जिसे आज पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने वाली जीवनशैली है, यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकाले तो वह जीवनभर स्वस्थ, ऊर्जावान और तनावमुक्त रह सकता है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज विश्व के अनेक देशों में योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

योग बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय : भैयालाल राजवाड़े- बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े ने कहा कि योग हजारों वर्षों पुरानी भारतीय परंपरा है, जिसे मानव कल्याण के लिए विकसित किया गया, उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाव के लिए योग सबसे प्रभावी और सरल उपाय है, उन्होंने लोगों से अपने घरों में नियमित योगाभ्यास करने की अपील की।

योग जीवन को नई दिशा देने वाला अनुशासन : रोक्तिमा यादव-कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने कहा कि योग जीवन को नई दिशा देने वाला अनुशासन है, यह केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और कार्यक्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उन्होंने जिलेवासियों से प्रतिदिन कम से कम 40 से 50 मिनट योग के लिए समय निकालने का आग्रह किया।

योगाचार्य ने कराया विभिन्न आसनों का अभ्यास-कार्यक्रम में योगाचार्य द्वारा ग्रीवा चालन, हस्त चालन, कटि चालन, ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, मंडूकासन, दण्डासन, पद्मासन, अर्धहलासन, उत्तानपादासन, भुजंगासन, शलभासन एवं शशांकासन सहित अनेक योगासन कराए गए। साथ ही अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया, इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, जिला पंचायत सदस्य गीता राजवाड़े, वनमंडलाधिकारी प्रभाकर खलखो, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेशा चौबे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय में भी गूंजा योग का संदेश-विश्व योग दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय बैकुंठपुर में भी योग शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश समीर कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अमृता दिनेश मिश्रा, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी प्रेरणा आहिरे, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी ओम चौहान सहित न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सदस्य उपस्थित रहे, योग प्रशिक्षक कृष्ण कुमार राजवाड़े ने सभी को योगाभ्यास कराया, इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश समीर कुमार ने कहा कि मन और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग को दैनिक जीवन में शामिल करना आवश्यक है, उन्होंने न्यायालय परिवार को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया।

बिहान समूहों की दीदियों ने दिया स्वास्थ्य, पोषण और आत्मनिर्भरता का संदेश- एमसीबी जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी महिलाओं ने विश्व योग दिवस को जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए लगभग 200 ग्राम संगठनों, ग्राम पंचायतों, अमृत सरोवरों एवं सामुदायिक परिसरों में सामूहिक योगाभ्यास किया, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम के आह्वान पर आयोजित कार्यक्रमों में महिलाओं ने योग के साथ स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण एवं जनजागरूकता गतिविधियों में भाग लिया, ग्राम पंचायत बरबसपुर, बड़कबहरा, हंसपुर, कछोड़ सहित अनेक गांवों में महिलाओं ने ग्रामीणों को योग के लाभ बताए और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया, मनेंद्रगढ़ विकासखंड के शंकरगढ़ स्थित अमृत सरोवर तथा सिरौली के नीम तालाब में योगाभ्यास के साथ स्वच्छता और जल संरक्षण संबंधी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, महिलाओं ने योग को स्वस्थ समाज की आधारशिला बताते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

पोषण और पर्यावरण संरक्षण पर भी दिया जोर- बिहान समूहों की महिलाओं ने मुनगा (सहजन) पाउडर, रागी आटा, रोस्टेड चना, कुल्थी दाल सहित पोषणयुक्त उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई, साथ ही जामुन, तेंदू एवं अन्य स्थानीय फलदार वृक्षों के पोषण एवं औषधीय महत्व की जानकारी देते हुए इनके संरक्षण का संदेश दिया, कार्यक्रमों के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषक उन्नति योजना, किसान समृद्धि योजना सहित विभिन्न कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को प्रदान की गई।

स्वस्थ,समृद्ध और जागरूक समाज निर्माण का संकल्प

विश्व योग दिवस पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ,निरोग और तनावमुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया, जनप्रतिनिधियों,प्रशासनिक अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों,विद्यार्थियों और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं की व्यापक भागीदारी ने यह संदेश दिया कि योग केवल एक दिवस का आयोजन नहीं,बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की सशक्त जीवनशैली है, कोरिया और एमसीबी जिले में विश्व योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों ने योग, स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और आत्मनिर्भरता के समन्वित संदेश के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक नई चेतना का संचार किया।

अंबिकापुर नगर निगम में मेले की आड़ में रिश्वतखोरी के आरोप,वायरल ऑडियो से मचा हड़कंप

भाजपा जिलाध्यक्ष और महापौर का नाम सामने आने का दावा,जांच और जवाब का इंतजार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026
(घटती-घटना)।

नगर निगम क्षेत्र में आयोजित मेले को लेकर कथित रिश्वतखोरी का मामला सामने आने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर वायरल एक ऑडियो को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली और मेले से जुड़े अनुमति व व्यवस्थाओं पर सवाल उठने लगे हैं। वायरल ऑडियो में कथित लेन-देन की बातचीत होने का दावा किया जा रहा है, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। वायरल ऑडियो को लेकर कुछ लोगों द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष और महापौर का नाम भी सामने आने का दावा किया जा रहा है। हालांकि इस मामले में अभी तक किसी भी स्तर पर आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों का बयान सामने आना बाकी है।

मेले की अनुमति और व्यवस्थाओं को लेकर उठे सवाल : बताया जा रहा है कि पूरा मामला नगर निगम क्षेत्र में आयोजित मेले से जुड़ा है। मेले की अनुमति, व्यवस्थाओं और कथित लेन-देन को लेकर वायरल ऑडियो सामने आने के बाद लोगों में चर्चा शुरू हो गई है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या आयोजन से जुड़े कार्यों में नियमों का पालन हुआ या नहीं। मामले को लेकर अब लोगों की नजर नगर निगम प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के रुख पर है।

विपक्ष को मिला मुद्दा,पारदर्शिता पर सवाल

मामले को लेकर विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों की ओर से भी सवाल उठाए जाने की संभावना है। नगर निगम जैसे सार्वजनिक संस्थान में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में वायरल ऑडियो के बाद प्रशासन से स्थिति स्पष्ट करने की मांग उठ सकती है।

कार्रवाई या जांच पर टिकी नजर

फिलहाल पूरा मामला वायरल ऑडियो और लगाए जा रहे आरोपों तक सीमित है। अब देखना होगा कि प्रशासन या नगर निगम की ओर से इस मामले में कोई जांच कराई जाती है या नहीं। यदि जांच होती है तो ऑडियो की वास्तविकता और पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आ सकेगी।

वायरल ऑडियो की सत्यता जांच का विषय : राजनीतिक और सामाजिक हलकों में वायरल ऑडियो को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हालांकि किसी भी ऑडियो की सत्यता की पुष्टि बिना जांच के नहीं की जा सकती। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मधुमक्खियों से बचने में अनियंत्रित हुई कार,महिला की जान गई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर सकालो धान मंडी के पास शनिवार को एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि अचानक मधुमक्खियों का झुंड कार की विंडशील्ड के सामने आ गया। इससे चालक का दृश्य बाधित हो गया और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसके पति समेत अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार शासकीय शिक्षक एवं पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास कुसमी के प्रभारी अधीक्षक सौरभ कश्यप अपनी पत्नी राखी कश्यप, मुनेश्वर राम और चालक खुर्शीद हुसैन के साथ कार (सीजी 15 ईएच 8484) से बीएड परीक्षा देने सागर गए थे। परीक्षा के बाद 20 जून को सभी वापस लौट रहे थे। दोपहर में सकालो धान मंडी के पास पहुंचते ही मधुमक्खियों का झुंड कार के सामने आ गया। चालक को रास्ता साफ नहीं दिखा और कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में राखी कश्यप गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गईं। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को दूसरी कार से मिशन अस्पताल, अंबिकापुर पहुंचाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने राखी कश्यप को मृत घोषित कर दिया। वहीं सौरभ कश्यप, चालक खुर्शीद हुसैन और मुनेश्वर राम को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

न्यायालय नज़ूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क /अ-21/2025-26

ईश्तहार

ग्राम-सोनतराई, पह0नं0 12, तहसील उदयपुर एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका लालपरी पत्नी अमीरधन, निवासी शिवधारी कालोनी, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, (छ0ग0) द्वारा ग्राम - सोनतराई, पह0न0 12, तहसील उदयपुर स्थित भूमि स्वामी ह की भूमि खसरा नंबर 486/4 रकबा 0.0490 हे0 व्यपवर्तित भूमि को अनावेदक रीना विश्वकर्ता पत्नी हवलदार (से0नि0) शत्रुधन विश्वकर्मा एवं अन्य 01 दान पत्र करने के संबंध अनुमति हेतु आवेदन कलेक्टर महोदय, जिला सरगुजा के समक्ष आवेदन मय ईश्तहार हेतु आवेदन, शपथ पत्र, बी-1, प्रति सहित प्रस्तुत किया गया। जिसमें निर्धारित बिन्दुओं पर नियमानुसार जांच कर बिन्दुवार जांच प्रतिवेदन मय दस्तावेज सहित भेजे जाने हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 30/06/2026 के पूर्व इस न्यायालय में दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावे।

आज दिनांक 12/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी ।

नज़ूल अधिकारी
,अंबिकापुर

बाइक सवार को बचाने में कार-ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत,चार गंभीर

उदयपुर थाना से 500 मीटर दूर रामगढ़ ढाबा के पास हादसा, कार के उड़े परखच्चे

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र में रविवार शाम भीषण सड़क हादसा हो गया। उदयपुर थाना से करीब 500 मीटर दूर रामगढ़ ढाबा के पास बाइक सवार को बचाने के प्रयास में कार और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, कार (सीजी 12 बीएफ 5534) बिलासपुर से अंबिकापुर की ओर जा रही थी, जबकि ट्रक (सीजी 04 पीसी 5207) अंबिकापुर से बिलासपुर की ओर आ रहा था। इसी दौरान सड़क पर सामने आए बाइक सवार को बचाने के प्रयास में दोनों वाहन अनियंत्रित होकर आमने-सामने भिड़ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकालकर मदद की। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर ले जाने की तैयारी की गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा नेता नीलेश सिंह ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

सोनपुर से लालमाटी तक फैले क्षेत्र के पर्यावरण,वन्यजीव और जैव विविधता संरक्षण के लिए विशेष योजना की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 जून 2026
(घटती-घटना)।

सोनपुर से लेकर लालमाटी तक फैली लगभग 12 किलोमीटर लंबी महामाया पर्वत श्रृंखला के संरक्षण,वन्यजीव संवर्धन और पर्यावरण सुरक्षा को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री नीलेश सिंह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन सौंपकर विशेष कार्ययोजना बनाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि अंबिकापुर क्षेत्र की महामाया पर्वत श्रृंखला प्राकृतिक, पर्यावरणीय और जैव विविधता की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। सोनपुर, खैरबार,कांतिप्रकाशपुर, मानिकप्रकाशपुर और लालमाटी तक फैला यह क्षेत्र मिश्रित वन क्षेत्र है, जहां विभिन्न प्रजातियों के वन्यजीव, हिरण, पक्षी और अन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। इसके अलावा यहां इमारती और फलदार वृक्षों की भी प्रचुरता है। भाजपा नेता नीलेश सिंह ने मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में कहा कि महामाया पर्वत श्रृंखला स्थानीय लोगों की आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ अंबिकापुर और

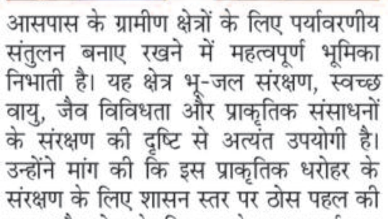

आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह क्षेत्र भू-जल संरक्षण, स्वच्छ वायु, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने मांग की कि इस प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए शासन स्तर पर ठोस पहल की जाए और क्षेत्र के विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को भी प्राथमिकता दी जाए।

ज्ञापन में रखी गई प्रमुख मांगें...

भाजपा नेता नीलेश सिंह ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि—

- सोनपुर से लालमाटी तक फैली महामाया पर्वत श्रृंखला का विस्तृत पर्यावरणीय एवं जैव विविधता सर्वेक्षण कराया जाए।
- क्षेत्र को वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरणीय दृष्टि से संरक्षित क्षेत्र घोषित करने की संभावनाओं का परीक्षण किया जाए।
- हिरण,पक्षियों और अन्य वन्यजीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष योजना बनाई जाए।
- फलदार एवं इमारती वृक्षों के संरक्षण के साथ व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए।
- पहाड़ी नालों,जल स्रोतों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए।
- स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता से पर्यावरण संरक्षण और इको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए।
- अवैध कटाई, खनन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जाए।

उन्होंने कहा कि महामाया पर्वत श्रृंखला क्षेत्र की अमूल्य प्राकृतिक संपदा है, जिसका संरक्षण केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए भी आवश्यक है।

अवैध रेत परिवहन पर प्रशासन का शिकंजा,6 वाहन जब्त

सेंदूर नदी क्षेत्र में खनिज विभाग की कार्रवाई से मचा हड़कंप,खनिज नियमों के तहत होगी कार्यवाही

-संवाददाता-
बलरामपुर,21 जून 2026
(घटती-घटना)।

जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम लगातार जांच अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर नजर रख रही है। इसी अभियान के तहत सेंदूर नदी क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करते हुए 6 वाहनों को जब्त किया गया है। खनिज विभाग की टीम ने ग्राम मितगई और पिपरौल क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे वाहनों को पकड़ा। कार्रवाई के बाद अवैध खनन और परिवहन में लगे लोगों में हड़कंप की स्थिति है।

मितगई से 4 और पिपरौल से मिले 2 वाहन : खनिज अधिकारी राहुल गुलाटी ने बताया कि जांच के दौरान ग्राम मितगई से 4 वाहन और ग्राम पिपरौल से 2 वाहन अवैध रेत परिवहन करते पाए गए। सभी वाहनों को जब्त कर पुलिस चौकी विजयनगर और तातापानी की अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने बताया कि जब्त वाहनों के मालिकों के खिलाफ खनिज नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लगातार जारी है जांच अभियान : खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार निरीक्षण और जांच अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को रोकना है। उन्होंने कहा कि अवैध खनिज गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आम लोगों से सहयोग की अपील : खनिज विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि जिले में कहीं भी अवैध खनिज उत्खनन, भंडारण या परिवहन की जानकारी मिलने पर तत्काल प्रशासन को सूचना दें।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग-सूरजपुर,छ0ग0

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-1533/NIT-3/2026 2027 / व ले लि   दिनांक 17/06/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 26/06/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 02/07/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 03/07/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एन.आई.टी.क्र. निविदा क्र0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) / अमानत राशि (रु. में) / बैंक साल्वेंसी (रू. में) कार्य पूर्णता हेतु अवधि
3 T0008	जिला सूरजपुर के रेशम केन्द्र प्रेमनगर के ग्रेनेज भवन का मरम्मत कार्य	5.00 3750.00/75000.00 02 माह (वर्षा ऋतु सहित)
3 T0010	जिला सूरजपुर में बाल कल्याण समिति भवन निर्माण कार्य	8.266195.00/123900.00 03 माह (वर्षा ऋतु सहित)
3 T0011	जिला सूरजपुर में किशोर न्याय बोर्ड भवन निर्माण कार्य	8.266195.00/123900.00 03 माह (वर्षा ऋतु सहित)

नियम व शर्तें :-
ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ' में पंजीकृत ठेकेदार निविदा में भाग ले सकेंगे, निविदा प्रपत्र की कीमत 750.00 प्रति निविदा फार्म है, निविदा संबंधी अन्य शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभागीय संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
संभाग सूरजपुर

जी0नं0 -262701569/2

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास)
अम्बिकापुर,जिला- सरगुजा (छ.ग.)

ई- निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक /निर्माण/आ.वि./2026/1377
/अम्बिकापुर दिनांक- 18/06/2026

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग जिला सरगुजा अन्तर्गत निम्न कार्य हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर दिनांक 09.07.2026 तक ऑनलाईन प्रथम निविदा आमंत्रित की जाती है ।

ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि
192066	एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना कार्यालय अम्बिकापुर में मरम्मत,जीर्णोद्धार एवं अपग्रेडेशन कार्य	19,98,000.00

निविदा की सामान्य शर्तें एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

जी0नं0 -262701601/2

नौगई तिहरा हत्याकांड: सभी आरोपी गिरफ्तार, लेकिन तीन मौतों के पीछे की पूरी सच्चाई की अब भी तलाश!

- पुलिस ने नौ नामजद आरोपियों को भेजा जेल, परिजनों की सीबीआई जांच, सीडीआर जांच और कठोर कार्रवाई की मांग बरकरार
- नौ आरोपी गिरफ्तार, लेकिन जनता अब भी मांग रही पूरी सच्चाई और निष्पक्ष न्याय
- नौगई हत्याकांड: गिरफ्तारी पूरी, लेकिन न्याय की राह में अब भी कई अनुतरित सवाल
- नौगई तिहरा हत्याकांड में पुलिस का दावा पूरा, लेकिन संदेहों का सिलसिला जारी
- गिरफ्तारी, आत्मसमर्पण और उठते सवाल: नौगई हत्याकांड की जांच नए मोड़ पर, आरोपी जेल में, लेकिन जवाब अभी भी बाकी हैं
- प्रभारी मंत्री पहुंचे पीड़ित परिवार के घर, परिजनों ने कठोर कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई

पहले चार गिरफ्तार,फिर पांच और आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सत्य प्रकाश त्रिपाठी, अक्षय त्रिपाठी,विशाल त्रिपाठी और महेंद्र त्रिपाठी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया,इसके बाद फरार पांच आरोपियों की तलाश के लिए कोरिया और एमसीबी पुलिस की संयुक्त टीम लगातार दबिश देती रही,पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा के निर्देशन,एमसीबी पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरिया डॉ. सुरेशा चौबे के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाया गया,अंततः निशांत त्रिपाठी,मनोज त्रिपाठी,अमन त्रिपाठी,आशुतोष त्रिपाठी और गौरव त्रिपाठी भी पुलिस की गिरफ्त में आ गए। इसके साथ ही एफआईआर में नामजद सभी नौ आरोपी गिरफ्तार हो गए, वही पूर्व में सोनहत थाना क्षेत्र के नौगई तिहरा हत्याकांड में पुलिस ने अब सभी नौ नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है,घटना के बाद पहले चरण में सत्य प्रकाश त्रिपाठी, अक्षय त्रिपाठी,विशाल त्रिपाठी और महेंद्र त्रिपाठी को गिरफ्तार किया गया था,इसके बाद 19 जून की रात मनोज त्रिपाठी,निशांत त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी और आशुतोष त्रिपाठी के आत्मसमर्पण करने की जानकारी पुलिस द्वारा दी गई, वहीं 20 जून की देर शाम पुलिस ने खड़गवां क्षेत्र से गौरव त्रिपाठी की गिरफ्तारी की पुष्टि की।

गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण को लेकर बना भ्रम

पूरे मामले में एक महत्वपूर्ण बहस आरोपियों के पुलिस के समक्ष आने की परिस्थितियों को लेकर भी शुरू हुई,कुछ अधिकारियों के बयान में चार आरोपियों द्वारा आत्मसमर्पण करने की बात कही गई,जबकि बाद में गिरफ्तारी का उल्लेख भी सामने आया,इसी कारण क्षेत्र में चर्चा होने लगी कि आखिर आरोपियों ने आत्मसमर्पण किया या उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया,यद्यपि पुलिस का आधिकारिक पक्ष यही है कि लगातार दबिश और बढ़ते दबाव के कारण आरोपी कानून के सामने झुकने को मजबूर हुए, लेकिन यह विषय अब भी जनचर्चा का हिस्सा बना हुआ है।

पुलिस का दावा...आरोपियों ने स्वीकार किया अपराध

पुलिस अधिकारियों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी भूमिका स्वीकार की है,पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश थी और संभावित टकराव की आशंका के चलते आरोपियों ने पहले से तैयारी की थी,यदि पुलिस का यह दावा विवेचना और न्यायालयीन प्रक्रिया में पुष्ट होता है,तो यह घटना को पूर्व नियोजित अपराध की श्रेणी में और गंभीर बना सकता है, हालांकि अंतिम निष्कर्ष न्यायालय और जांच रिपोर्ट के आधार पर ही सामने आएगा।

पुलिस की शुरुआती भूमिका पर क्यों उठ रहे हैं सवाल?

घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर भी कई प्रश्न उठे हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से तनाव था और घटना वाले दिन विवाद की जानकारी पुलिस को थी, तो समय रहते प्रभावी रोकथाम क्यों नहीं की गई, क्षेत्र में यह भी चर्चा रही कि घटना वाले दिन वाहनों की जांच की गई थी, ऐसे में लोग पूछ रहे हैं कि यदि संभावित टकराव की आशंका थी तो सभी पक्षों की गतिविधियों पर समान रूप से निगरानी क्यों नहीं रखी गई, हालांकि इन सवालों का उत्तर जांच के दौरान ही स्पष्ट हो सकेगा, लेकिन यह विषय अब भी सार्वजनिक बहस का हिस्सा बना हुआ है।

-रवि सिंह-

कोरिया/सोनहत,21 जून 2026 (घटती-घटना)। सोनहत थाना क्षेत्र के नौगई में हुए तिहरा हत्याकांड की जांच अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है, नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की ओर से घटनाक्रम को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई हैं, वहीं दूसरी ओर मृतकों के परिजन, सामाजिक संगठन और स्थानीय नागरिक अब भी पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग पर अड़े हुए हैं, घटना को लेकर पुलिस के विभिन्न बयानों, आरोपियों की गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण को लेकर सामने आई अलग-अलग जानकारियों ने पूरे मामले को और अधिक चर्चा का विषय बना दिया है, इस हत्याकांड में तीन लोगों की मौत हुई थी जबकि अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे, घटना की भयावहता को देखते हुए यह मामला प्रदेश स्तर तक चर्चा में रहा, अब जबकि अधिकांश नामजद आरोपी पुलिस गिरफ्त में हैं, लोगों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और क्या घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने आ पाती है।

16 जून की रात क्या हुआ था?

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार 16 जून की रात नौगई गांव में आपसी रंजिश के चलते हिंसक घटनाक्रम हुआ,आरोप है कि विवाद इतना बढ़ गया कि एक वाहन को आग के हवाले कर दिया गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, घटना की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा, प्रार्थी आदित्य सिंह की शिकायत पर थाना सोनहत में अपराध क्रमांक 66/2026 दर्ज किया गया और मामले की विवेचना प्रारंभ हुई, शुरुआती जांच में पुलिस ने इसे गंभीर आपराधिक षड्यंत्र और सामूहिक हिंसा का मामला मानते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की।

जनता की निगाहें अब विवेचना पर...

नौगई तिहरा हत्याकांड अब केवल एक आपराधिक मामला नहीं रह गया है,यह कानून व्यवस्था,प्रशासनिक जवाबदेही और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता की भी परीक्षा बन चुका है,तीन लोगों की मौत के बाद उठे सवालों का जवाब केवल निष्पक्ष और पारदर्शी जांच ही दे सकती है,फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जांच का अगला चरण शुरू हो चुका है,अब पूरे जिले की निगाहें विवेचना पर टिकी हैं,लोग जानना चाहते हैं कि आखिर इस जघन्य घटना के पीछे की पूरी सच्चाई क्या है,किन परिस्थितियों में यह वारदात हुई और क्या जांच एजेंसियां सभी पहलुओं को समान गंभीरता से जांच के दायरे में लाएंगी, आने वाले दिनों में यही तय करेगा कि जनता के मन में उठ रहे सवालों का समाधान होता है या नहीं।

सीडीआर जांच और तकनीकी साक्ष्यों पर टिकी उम्मीद...

पूरे मामले में अब सीडीआर जांच की मांग प्रमुख विषय बन गई है,सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों का कहना है कि तकनीकी साक्ष्य इस मामले की कई परतें खोल सकते हैं,उनका मानना है कि मोबाइल संपर्क,लोकेशन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच से घटनाक्रम को और स्पष्ट रूप से समझा जा सकेगा।

परिजनों ने न्याय के साथ सीबीआई जांच की भी मांग की

घटना के बाद मृतकों के परिजनों ने लगातार निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है,उनका कहना है कि केवल आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे घटनाक्रम की गहराई से जांच होनी चाहिए,परिजनों ने प्रभारी मंत्री के समक्ष सीबीआई जांच,कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच,गवाहों की सुरक्षा तथा मामले की स्वतंत्र पड़ताल की मांग रखी, उनका कहना है कि तीन लोगों की मौत के बाद न्याय केवल कार्रवाई नहीं बल्कि पूरी सच्चाई सामने आने से मिलेगा।

क्या केवल नौ आरोपी ही थे शामिल?

सभी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या जांच केवल इन्हीं तक सीमित रहेगी या विवेचना के दौरान अन्य नाम भी सामने आ सकते हैं,पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की विवेचना जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी,यही कारण है कि अब लोगों की नजर पुलिस की आगामी विवेचना पर है।

न्याय की राह अभी बाकी है...

नौगई तिहरा हत्याकांड में सभी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, लेकिन यह केवल जांच का पहला चरण है,असली परीक्षा अब निष्पक्ष विवेचना,साक्ष्यों के वैज्ञानिक विश्लेषण और न्यायालयीन प्रक्रिया की है,तीन मौतों से दहले नौगई की जनता अब केवल गिरफ्तारी नहीं बल्कि सच्चाई,जवाबदेही और न्याय चाहती है,पूरे जिले की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि जांच एजेंसियां इस मामले की हर परत को कितनी निष्पक्षता और पारदर्शिता से सामने लाती हैं और क्या पीड़ित परिवार को वह न्याय मिल पाता है जिसकी मांग पूरे क्षेत्र में गूंज रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के बयानों पर भी चर्चा

घटना के बाद पुलिस अधिकारियों द्वारा दिए गए बयानों को लेकर भी बहस जारी है,कुछ स्थानीय नागरिकों और परिजनों का कहना है कि शुरुआती चरण में घटना को लेकर जो आकलन सामने आए थे,वे बाद में सामने आई जानकारी से अलग दिखाई दिए। इसी कारण कुछ लोगों ने पुलिस के शुरुआती बयानों पर सवाल उठाए हैं,हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि किसी भी बड़ी घटना के शुरुआती चरण में उपलब्ध जानकारी सीमित होती है और जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, तथ्य अधिक स्पष्ट होते जाते हैं,फिर भी यह विषय अब भी चर्चा का हिस्सा बना हुआ है।

क्या जांच केवल गिरफ्तार आरोपियों तक सीमित रहेगी?

अब जबकि नामजद आरोपी पुलिस गिरफ्त में हैं,लोगों के मन में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या जांच केवल उन्हीं तक सीमित रहेगी या फिर घटना की पृष्ठभूमि,तैयारी और अन्य संभावित पहलुओं की भी पड़ताल की जाएगी,सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि किसी भी स्तर पर किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो जांच एजेंसियों को उस दिशा में भी निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ना चाहिए, उनका मानना है कि केवल गिरफ्तारी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आना भी आवश्यक है।

घटना सोनहत की,आत्मसमर्पण मनेन्द्रगढ़ में और जुलूस पटना में–आखिर संदेश क्या?

नौगई तिहरे हत्याकांड में पुलिस की कार्रवाई कई सवाल खड़े कर रही है, घटना सोनहत थाना क्षेत्र के नौगई गांव में हुई,जहां चार लोगों को वाहन सहित आग के हवाले किए जाने का आरोप है और तीन लोगों की मौत हुई,वहीं पुलिस के अनुसार आरोपी मनेन्द्रगढ़ में जाकर आत्मसमर्पण करते हैं, यहां पहला सवाल यह है कि यह वास्तव में आत्मसमर्पण था या गिरफ्तारी? क्योंकि पुलिस के बयानों में दोनों शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, सबसे अधिक चर्चा आरोपियों के जुलूस को लेकर है, जो नगर पंचायत पटना में निकाला गया,जबकि पटना न घटना स्थल है, न मृतकों का गृह क्षेत्र और न ही आत्मसमर्पण का स्थान, ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि आखिर इस कार्रवाई का उद्देश्य क्या था? घटना सोनहत में,आत्मसमर्पण मनेन्द्रगढ़ में और जुलूस पटना में–पुलिस की इस पूरी कवायद का वास्तविक संदेश अब भी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

प्रभारी मंत्री पहुंचे पीड़ित परिवार के घर...

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिले के प्रभारी मंत्री भी मृतकों के घर पहुंचे,उन्होंने शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की और उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया, परिजनों ने भावुक होकर अपनी पीड़ा व्यक्त की और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग दोहराई,मंत्री ने परिवार को आश्वस्त किया कि शासन इस मामले को गंभीरता से देख रहा है और कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

महिलाओं की पीड़ा ने माहौल किया भावुक...

प्रभारी मंत्री की मौजूदगी में परिवार की महिलाओं ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा कि घटना के बाद उन्हें अपेक्षित प्रशासनिक सहयोग नहीं मिला, उन्होंने कहा कि परिवार अब भी भय और असुरक्षा के माहौल में जी रहा है,महिलाओं ने मांग की कि प्रशासन केवल जांच तक सीमित न रहे बल्कि पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय का भरोसा भी दिलाए।

जब पूरी फोर्स वर्दी में थी...तब 'सुपर कॉप' बिना वर्दी के क्यों?

जब पूरा पुलिस महकमा वर्दी में था, तब 'मायावी प्रधान आरक्षक' अपने ही नियमों पर चलते दिखे...

आम जनता को दिखती हैं कमियां, कैमरे में कैद हो जाती हैं तस्वीरें, लेकिन सिस्टम की आंखों तक पहुंचते-पहुंचते सब कैसे गायब हो जाता है?

नौगई तिहरा हत्याकांड में 'सुपर कॉप' की नई एंट्री! क्या कुछ लोगों के लिए नियमों की किताब अलग होती है?

नौगई हत्याकांड की कार्रवाई में दिखा अनुशासन का दोहरा मापदंड!

जो जनता को दिखा, वह सिस्टम को क्यों नहीं दिखा?

नियम सलाम ठोकते रहे, 'मायावी' आगे बढ़ता रहा!

कानून के रखवाले और नियमों के अपवाद पर अनुशासन की वर्दी में एक 'अपवाद' क्यों?

नौगई कांड के आरोपियों से ज्यादा चर्चा एक तस्वीर की...

-रवि सिंह-

मनेंद्रगढ़/बैकुंठपुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। नौगई तिहरा हत्याकांड में नामजद सभी 9 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अपनी कार्रवाई को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है, तीन लोगों की हत्या से जुड़े इस बहुचर्चित मामले में आरोपियों का आत्मसमर्पण,गिरफ्तारी और उन्हें न्यायालय तक पहुंचाने की प्रक्रिया सुर्खियों में रही, लेकिन इसी बीच एक तस्वीर और वीडियो ने ऐसी चर्चा छेड़ दी है जिसने अपराधियों से ज्यादा पुलिस व्यवस्था के भीतर मौजूद एक अलग ही कहानी को सामने ला दिया है।

तस्वीर उस समय की है जब आत्मसमर्पण करने वाले आरोपियों को मनेंद्रगढ़ थाने के लॉकअप से निकालकर बैकुंठपुर भेजा जा रहा था,थाना प्रभारी सहित लगभग 10 से 15 पुलिसकर्मी पूरी वर्दी में दिखाई दे रहे थे, किसी की बेल्ट चमक रही थी,किसी के कंधे पर स्टार और बैज अनुशासन का संदेश दे रहे थे,देखने वाला कह सकता था कि पुलिस विभाग की नियमावली का अक्षरशः पालन हो रहा है,लेकिन इसी भीड़ में एक ऐसा चेहरा भी था जो मानो यह घोषणा कर रहा था कि नियम सबके लिए होते हैं,लेकिन कुछ लोग नियमों से ऊपर भी होते हैं,वह थे क्षेत्र में चर्चित प्रधान आरक्षक,जो इस पूरी कार्रवाई के दौरान वर्दी में नहीं दिखाई दिए,(यह लेख मेरे स्वतंत्र विचार एवं विश्लेषणात्मक टिप्पणी, किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध दोष सिद्ध होना सक्षम विभागीय या न्यायिक प्रक्रिया का विषय है।)

अब सवाल यह है कि जब हत्या जैसे गंभीर मामले में आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में ले जाया जा रहा था और वहां मौजूद प्रत्येक पुलिसकर्मी वर्दी में था, तब एक पुलिसकर्मी को इस व्यवस्था से अलग रहने का विशेषाधिकार किसने दिया? क्या पुलिस विभाग में कोई नई श्रेणी बन गई है? एक श्रेणी वह जो नियमों का पालन करती है और दूसरी वह जिसके लिए नियम सिर्फ सलाह की तरह हैं? यदि वर्दी आवश्यक नहीं थी तो बाकी पुलिसकर्मियों ने क्यों पहनी? और यदि आवश्यक थी तो फिर बिना वर्दी ड्यूटी करने वाले के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

यह पहली बार नहीं,इसलिए सवाल और बड़ा है...

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है,क्षेत्र में अक्सर संबंधित प्रधान आरक्षक को बिना वर्दी या अलग अंदाज में देखा जाता रहा है, इसलिए लोगों की हैरानी इस बात पर नहीं है कि वह बिना वर्दी दिखाई दिए, बल्कि इस बात पर है कि इतने वर्षों बाद भी किसी अधिकारी को यह दिखाई क्यों नहीं दिया, चाय की दुकानों पर चर्चा है,सोशल मीडिया पर चर्चा है, पत्रकारों के कैमरे में तस्वीरें कैद हो जाती हैं, आम नागरिक इसे देख लेते हैं,लेकिन विभागीय अधिकारियों की नजर वहां तक क्यों नहीं पहुंचती? यही वह सवाल है जिसका जवाब शायद जनता जानना चाहती है।

संरक्षण का ऐसा कवच,जिसमें सारी शिकायतें समा जाती हैं?

क्षेत्र में एक धारणा तेजी से बनती जा रही है कि संबंधित प्रधान आरक्षक को कोई ऐसा संरक्षण प्राप्त है, जो उन्हें हर सवाल, हर शिकायत और हर आलोचना से बचा लेता है,लोग कहते हैं कि सामान्य पुलिसकर्मी की छोटी सी गलती पर नोटिस जारी हो जाता है,स्पष्टीकरण मांगा जाता है,लाइन अटैच कर दिया जाता है, विभागीय जांच बैठ जाती है,लेकिन यहां तस्वीरें सामने आती हैं,चर्चाएं होती हैं, सवाल उठते हैं,फिर भी सब कुछ सामान्य बना रहता है,यही वजह है कि अब लोग उन्हें केवल सुपर कॉप नहीं बल्कि मायावी प्रधान आरक्षक भी कहने लगे हैं, क्योंकि उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी वर्दी नहीं,बल्कि वह माया बताई जाती है जिसमें शिकायतें दाखिल होते ही अदृश्य हो जाती हैं।

सत्ता बदलती रही,लेकिन 'माया' कायम रही...

सबसे दिलचस्प चर्चा यह है कि वर्षों में सरकारें बदलीं,मंत्री बदले, विधायक बदले,पुलिस कप्तान बदले,थानेदार बदले,अधिकारी बदले,लेकिन यदि कुछ नहीं बदला तो वह इस प्रधान आरक्षक की प्रभावशाली स्थिति, लोग व्यंग्य में कहते हैं कि लोकतंत्र में सरकार पांच साल की होती है,लेकिन इनका प्रभावकाल शायद उससे कहीं ज्यादा लंबा है,सत्ता चाहे किसी भी दल की रही हो,विभाग में कोई भी अधिकारी आया हो,लेकिन इनकी कार्यशैली को लेकर उठे सवाल कभी किसी निर्णायक कार्रवाई तक नहीं पहुंचे,इसीलिए अब जनता के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि शायद इनका वास्तविक पदनाम प्रधान आरक्षक नहीं,बल्कि सिस्टम से अप्रभावित अधिकारी होना चाहिए।

क्या विभाग के लिए अनुशासन चयनात्मक हो गया है?

पुलिस विभाग अनुशासन के लिए जाना जाता है,यहां वर्दी का महत्व उतना ही है जितना न्यायालय में न्यायाधीश के वस्त्र का,लेकिन यदि कुछ लोग खुलेआम उस अनुशासन से अलग दिखाई दें और फिर भी सब कुछ सामान्य बना रहे, तो सवाल केवल उस कर्मचारी पर नहीं उठता,बल्कि उस व्यवस्था पर भी उठता है जो यह सब देखकर भी मौन रहती है,क्योंकि अनुशासन तब तक प्रभावी नहीं माना जाता जब तक वह सब पर समान रूप से लागू न हो।

सबसे बड़ा सवालः आखिर यह 'माया' है क्या?

लोग पूछ रहे हैं कि आखिर वह कौन-सी शक्ति है जो एक सामान्य कर्मचारी को उपलब्ध नहीं है? क्या यह प्रभाव है? क्या यह संरक्षण है? क्या यह रिश्तों का नेटवर्क है? या फिर सचमुच कोई ऐसी माया है जिसके भीतर पहुंचते ही शिकायतें,नियम,अनुशासन और जवाबदेही सब गायब हो जाते हैं? क्योंकि यदि जनता को दिख रहा है, पत्रकारों को दिख रहा है,कैमरों को दिख रहा है,सोशल मीडिया को दिख रहा है,तो फिर विभाग को क्यों नहीं दिख रहा?

इस मुद्दे पर मेरा स्वयं का कटाक्ष

पुलिस विभाग में वर्दी अनुशासन का प्रतीक मानी जाती है,लेकिन शायद कुछ लोग इतने बड़े हो जाते हैं कि अनुशासन को ही उनकी पहचान के हिसाब से ढलना पड़ता है,आम पुलिसकर्मी नियम पुस्तिका देखकर ड्यूटी करते हैं,लेकिन कुछ लोग शायद नियम पुस्तिका को देखकर मुस्कुरा देते हैं,जनता कहती है कि कानून की आंखें सब कुछ देखती हैं,लेकिन यहां मामला कुछ ऐसा दिखाई देता है कि कानून की आंखें खुली हैं, कैमरे भी चालू हैं,तस्वीरें भी सामने हैं, फिर भी सब कुछ अदृश्य है।

चीखते सवाल

नौगई तिहरा हत्याकांड में आरोपियों की गिरफ्तारी महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि पुलिस विभाग अपने भीतर के अनुशासन को कितना गंभीरता से लेता है, क्योंकि अपराधियों को पकड़ना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन अपने ही नियमों का पालन कराना पुलिस की विश्वसनीयता का आधार है, और जब किसी कर्मचारी को लेकर वर्षों से एक ही तरह की चर्चाएं चलती रहें, तस्वीरें सामने आती रहें, सवाल उठते रहें और फिर भी कोई जवाब न मिले, तो सवाल व्यक्ति से आगे बढ़कर पूरे सिस्टम पर खड़े होने लगते हैं, आखिर जनता यह जानना चाहती है कि यह सुपर कॉप है, मायावी प्रधान आरक्षक है या फिर संरक्षण की ऐसी मिसाल, जहां नियमों की किताब भी प्रवेश करने से पहले अनुमति मांगती है?

आयुष चिकित्सकों ने सीएमएचओ से की मुलाकात,अधिकारों एवं उपचार संबंधी प्रावधानों की दी जानकारी

-संवाददाता-

कोरिया, 21 जून 2026 (घटती-घटना)। जिले के आयुष चिकित्सकों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा, इस दौरान चिकित्सकों ने आयुष चिकित्सकों को राजपत्र में निर्धारित प्रावधानों के तहत एलोपैथिक दवाओं के उपयोग एवं उपचार संबंधी अधिकारों की जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा जारी अधिसूचनाओं के अनुसार आयुष चिकित्सकों को निर्धारित दवाओं के उपयोग तथा प्राथमिक उपचार प्रदान करने का अधिकार प्राप्त है, चिकित्सकों ने विशेष रूप से नर्सिंग होम एक्ट के अंतर्गत आपातकालीन परिस्थितियों में किए जाने वाले उपचार संबंधी प्रावधानों से भी सीएमएचओ को अवगत कराया, आयुष चिकित्सकों ने बताया कि अत्यधिक रक्तस्राव, डिहाइड्रेशन, गंभीर दर्द तथा अन्य आपात स्थितियों में मरीज के जीवन की रक्षा के लिए प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक जीवनरक्षक उपाय करना चिकित्सकीय दायित्व का हिस्सा है,ऐसे मामलों में समय पर उपचार मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है, चिकित्सकों ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति से जुड़े चिकित्सक ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण माध्यम हैं,ऐसे में उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों को लेकर स्पष्टता बनाए रखना आवश्यक है, ताकि मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सके,इस अवसर पर डॉ. विवेक साहू, डॉ. रितेश कुशवाहा, डॉ. सरस्वती संतरा एवं डॉ. दीपक सिंह सहित अन्य आयुष चिकित्सक उपस्थित रहे, प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य विभाग से आयुष चिकित्सकों के अधिकारों एवं दायित्वों के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग भी की।

पशुपालन विभाग की शिकायतों से मचा हड़कंप!

कोरिया पहुंची 5 सदस्यीय जांच टीम

रिपोर्ट पर हस्ताक्षर से शिकायतकर्ता ने किया इंकार,जांच प्रक्रिया की पारदर्शिता पर उठे सवाल

पहले रिपोर्ट दिखाइए,फिर हस्ताक्षर करेंगे : शिकायतकर्ता विकास साहू

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,21 जून 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के पशुपालन विभाग में कथित अनियमितताओं,प्रशासनिक लापरवाही और विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर लंबे समय से उठ रही शिकायतों ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। लगातार शिकायतों और जनदर्शन सहित विभिन्न स्तरों पर दिए गए आवेदनों के बाद आखिरकार पांच सदस्यीय जांच दल कोरिया पहुंचा, लेकिन जांच शुरू होते ही मामला नए विवाद में घिर गया। शिकायतकर्ता विकास साहू ने जांच प्रतिवेदन की सामग्री देखे बिना हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया,जिसके बाद पूरी जांच प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

सूत्रों के अनुसार तामडांड निवासी विकास साहू पिछले कई वर्षों से पशुपालन विभाग में कथित गड़बड़ियों, वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक लापरवाही के आरोप लगाते हुए लगातार शिकायतें कर रहे हैं,उनका कहना है कि विभाग के खिलाफ उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों और तथ्यों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है, यही कारण है कि उन्होंने उच्च स्तर पर निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

गोलमोल जवाब देकर मामले को टालने का आरोप

शिकायतकर्ता विकास साहू का आरोप है कि विभागीय अधिकारी और जांच से जुड़े जिम्मेदार अधिकारी लगातार मामले को दबाने और टालने का प्रयास कर रहे हैं,उनका कहना है कि कई बार दस्तावेज और प्रमाण प्रस्तुत करने के बावजूद उन्हें न तो स्पष्ट जवाब दिया गया और न ही शिकायतों पर हुई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराई गई,विकास साहू का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा बार-बार अलग-अलग जवाब देकर उन्हें भ्रमित करने का प्रयास किया गया, उनका कहना है कि यदि विभाग के पास शिकायतों का जवाब है तो उसे सार्वजनिक रूप से रखा जाना चाहिए ताकि शिकायतकर्ता और आम जनता भी सच्चाई जान सके।

जांच के दौरान बढ़ा विवाद

जांच के दौरान पांच सदस्यीय टीम द्वारा शिकायतकर्ताओं और विभागीय अधिकारियों के बयान दर्ज किए जा रहे थे तथा दस्तावेजों की जांच की जा रही थी, इसी दौरान विवाद तब खड़ा हो गया जब शिकायतकर्ताओं को कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि उन्हें बिना पूरी जानकारी दिए हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, उनका दावा है कि जांचकर्ता अधिकारियों ने उनसे कहा कि वे हस्ताक्षर कर दें और रिपोर्ट में उनके पक्ष को दर्ज कर दिया जाएगा, हालांकि शिकायतकर्ताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए स्पष्ट कहा कि जब तक उन्हें यह नहीं बताया जाएगा कि दस्तावेज में क्या लिखा गया है और जांच प्रतिवेदन में उनकी शिकायतों के संबंध में क्या निष्कर्ष दर्ज किए गए हैं, तब तक वे किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे, शिकायतकर्ता का कहना है कि बिना पढ़े या समझे हस्ताक्षर करना उनके हितों के खिलाफ हो सकता है और भविष्य में इससे विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

जांचकर्ता अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

जांच के दौरान उत्पन्न इस स्थिति ने जांचकर्ता अधिकारियों की कार्यप्रणाली को भी सवालों के घेरे में ला दिया है,शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि यदि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी है तो प्रतिवेदन या दर्ज की गई टिप्पणियों को दिखाने में किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होनी चाहिए, हालांकि जांच दल की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है,लेकिन शिकायतकर्ता के हस्ताक्षर से इंकार करने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया है,जिले में अब यह सवाल उठने लगा है कि जांच केवल औपचारिकता है या वास्तव में शिकायतों की निष्पक्ष पड़ताल की जा रही है।

अंतिम रिपोर्ट पर टिकी निगाहें...

सूत्रों के अनुसार जांच दल ने शिकायतकर्ता पक्ष,विभागीय अधिकारियों और संबंधित दस्तावेजों से जुड़ी जानकारी एकत्र कर ली है,अब जांच प्रतिवेदन तैयार कर उच्च अधिकारियों को सौंपा जाएगा,जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी,यदि जांच में शिकायतों की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता,वहीं यदि शिकायतकर्ता के आरोप सही साबित नहीं होते हैं तो विभाग को भी राहत मिल सकती है,फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या शिकायतकर्ताओं को उनकी शिकायतों का संतोषजनक जवाब मिलेगा या फिर यह जांच भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में सिमटकर रह जाएगी, कोरिया जिले में अब हर किसी की निगाह जांच दल की अंतिम रिपोर्ट और प्रशासन द्वारा उठाए जाने वाले अगले कदम पर टिकी हुई है।

टॉक्सिक से ईथा तक.बॉक्स ऑफिस पर आने वाला है सबसे बड़ा तूफान

यश स्टारर टॉक्सिक की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह तीन और फिल्मों के साथ बड़े पर्दे पर आने वाली है। आने वाले दिन दर्शकों को बोर नहीं करेगी, क्योंकि इस बार सिनेमाघर एक्शन, हॉरर और थ्रिल से गुलजार होने वाली है। चार फिल्में एक साथ बड़े पर्दे पर दस्तक देंगी, जिसका इंतजार दर्शक बेताबी से कर रहे हैं। अगस्त और सितंबर का महीना बॉक्स ऑफिस पर मनोरंजन का बहार लेकर आएगी। यश की टॉक्सिक जिसे दो बार पोस्टपोन किया गया और आखिरकार अब फाइनल रिलीज डेट आ गई है। इसी के साथ श्रद्धा कपूर की ईथा , सिद्धार्थ मल्होत्रा की वन और मिर्जापुर भी टॉक्सिक के साथ ही रिलीज होने वाली हैं।

दो फिल्में एक ही दिन बड़े पर्दे पर दस्तक देंगी, जबकि बाकी की दो फिल्में एक ही हफ्ते में ही आ रही हैं। बॉक्स ऑफिस पर चार बड़ी फिल्मों का क्लैश होगा।

टॉक्सिक

यश की टॉक्सिक पहले 19 मार्च को रिलीज हो रही थी। फिर इसकी रिलीज डे 4 जून को खिसका दिया गया। अब आखिरकार इसकी तीसरी फाइनल डेट आ गई है। यश, हुमा कुरैशी, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया जैसे सितारों से सजी एक्शन फिल्म टॉक्सिक बड़े पर्दे पर 26 अगस्त को रिलीज हो रही है।

ईथा

श्रद्धा कपूर की श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ईथा को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। बायोग्राफिकल फिल्म ईथा बड़े पर्दे पर रक्षा बंधन के वीकेंड यानी 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म को छावा के डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर डायरेक्ट कर रहे हैं। यह मराठी तमाशा आर्टिस्ट विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर पर आधारित फिल्म है।

वन

अपकमिंग सुपरनैचुरल फिल्म वन भी सिनेमाघरों में दस्तक देने की फिराक में है। यह फिल्म श्रद्धा की ईथा के साथ ही रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन दीपक मिश्रा और अरुणभ कुमार कर रहे हैं। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया मुख्य भूमिका में हैं।

मिर्जापुर

वेब सीरीज से धमाल मचाने वाली मिर्जापुर अब फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। पंकज त्रिपाठी,अली फजल और दिव्येंदु अपने कैरेक्टर्स में वापसी करेंगे। यह फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह चारों फिल्में एक दिन में भले ही रिलीज न हों, लेकिन यह एक हफ्ते में ही आ रही हैं। इन फिल्मों के आसपास रिलीज होने से किसका बंटाधार होगा,यह तो वक्त ही बताएगा।

3 इडियट्स' गाना पहले नहीं पसंद था यूट्यूब पर बना 125एम+ हिट

बॉलीवुड के मशहूर गायक शान ने फिल्म 3 इडियट्स के सुपरहिट गानों को लेकर एक दिलचस्प और हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के गानों से जुड़ी कई ऐसी बातें हैं, जिन्हें दर्शक आज तक नहीं जानते थे। साल 2009 में रिलीज हुई फिल्म 3 इडियट्स ने भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई थी। यह फिल्म सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर ही सफल नहीं रही,बल्कि इसे एक कल्ट क्लासिक का दर्जा भी मिला। फिल्म की कहानी,किरदार और संदेश ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई।

इस फिल्म में आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी जैसे कलाकारों की तिकड़ी नजर आई थी, जिनकी एक्टिंग और केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म का हर किरदार अपने आप में खास था और कहानी ने शिक्षा व्यवस्था पर एक अलग नजरिया पेश किया था। फिल्म के गानों की बात करें तो वे भी उतने ही लोकप्रिय साबित हुए थे जितनी फिल्म खुद। म्यूजिक ने फिल्म को एक अलग ऊंचाई दी और युवा दर्शकों के बीच इसके गाने लंबे समय तक ट्रेंड में रहे। इन गानों को सुनकर लोग आज भी उस दौर को याद करते हैं।

गायक शान ने अपने खुलासे में बताया कि इस फिल्म के गानों को तैयार करने के दौरान काफी मेहनत और अलग सोच शामिल थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि रिकॉर्डिंग और प्रस्तुति के दौरान कई अनोखे अनुभव सामने आए, जो आमतौर पर दर्शकों को दिखाई नहीं देते। उन्होंने यह भी कहा कि 3 इडियट्स जैसे प्रोजेक्ट में काम करना कलाकारों के लिए एक खास अनुभव होता है, क्योंकि ऐसी फिल्में सिर्फ मनोरंजन ही नहीं बल्कि एक मजबूत सामाजिक संदेश भी देती हैं। फिल्म के गानों ने न केवल कहानी को आगे बढ़ाया बल्कि किरदारों की भावनाओं को भी बेहतर तरीके से दर्शाया। यही वजह है कि आज भी इन गानों को बॉलीवुड के यादगार म्यूजिक ट्रैक्स में गिना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के खुलासे दर्शकों के लिए फिल्मों को और दिलचस्प बना देते हैं, क्योंकि इससे उन्हें पर्दे के पीछे की कहानियों को जानने का मौका मिलता है। इस तरह शान का यह खुलासा एक बार फिर साबित करता है कि 3 इडियट्स सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की एक यादगार विरासत है, जिसे दर्शक आज भी उतने ही उत्साह से याद करते हैं।

37 साल बाद 'ओए ओए' गाने का सच किया उजागर

साल 1989 में रिलीज हुई फिल्म 'त्रिदेव' भारतीय सिनेमा की उन फिल्मों में शामिल है,जिसने उस दौर में दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। इस फिल्म का निर्देशन राजीव राय ने किया था और यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म के रूप में काफी लोकप्रिय हुई थी। फिल्म 'त्रिदेव' अपने दमदार एक्शन,स्टार कास्ट और म्यूजिक के कारण उस समय बॉक्स ऑफिस पर चर्चा का विषय बनी रही। इस फिल्म में कई बड़े कलाकारों ने काम किया था,जिनके अभिनय ने फिल्म को और भी प्रभावशाली बना दिया था। फिल्म का सबसे चर्चित हिस्सा इसका म्यूजिक था, जिसमें 'ओए-ओए' गाना आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय माना जाता है। यह गाना उस समय का एक ट्रेंड बन गया था और युवाओं के बीच काफी पसंद किया गया था। इस गाने की खासियत इसकी एनर्जी और म्यूजिक स्टाइल था,जिसने इसे उस दौर का सुपरहिट डांस नंबर बना दिया। गाने में उस समय के मशहूर कलाकार नसीरुद्दीन शाह और सोनम खान भी नजर आए थे,जिनकी स्क्रीन प्रेजेंस ने इस गाने को और आकर्षक बना दिया। 'ओए-ओए' गाना सिर्फ एक फिल्मी गीत नहीं रहा, बल्कि यह 80 के दशक के अंत में एक पॉप कल्चर आइकन बन गया था। शादी-ब्याह से लेकर स्टेज शो तक, यह गाना लंबे समय तक लोगों की पसंद बना रहा। राजीव राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने एक्शन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण पेश किया था, जो उस समय के दर्शकों की पसंद के अनुरूप था। फिल्म की कहानी, इसके गाने और स्टार कास्ट ने इसे एक सफल प्रोजेक्ट बना दिया। फिल्म 'त्रिदेव' को उस दौर की यादगार फिल्मों में इसलिए भी गिना जाता है क्योंकि इसने म्यूजिक और एक्शन दोनों के जरिए दर्शकों को बांधे रखा। खासकर 'ओए-ओए' गाने ने फिल्म की लोकप्रियता को कई गुना बढ़ा दिया था। आज भी जब 80 और 90 के दशक के बॉलीवुड गानों की बात होती है, तो 'ओए-ओए' का नाम जरूर लिया जाता है। यह गाना उस समय की म्यूजिकल स्टाइल और फिल्मी ग्लैमर का बेहतरीन उदाहरण माना जाता है। इस तरह फिल्म 'त्रिदेव' और उसका सुपरहिट गाना 'ओए-ओए' आज भी बॉलीवुड के सुनहरे दौर की याद दिलाते हैं और दर्शकों के बीच अपनी खास जगह बनाए हुए हैं।

स्क्रिप्ट से हटाया गया मुन्ना भाई का सीन

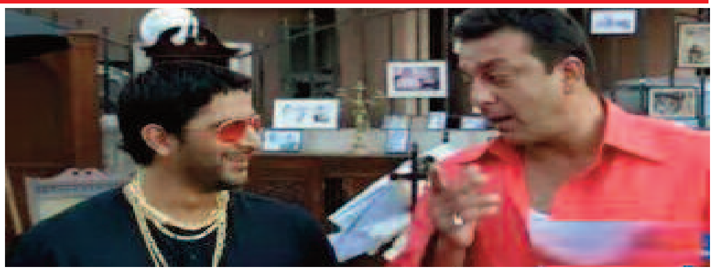

साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' भारतीय सिनेमा की उन चुनिंदा फिल्मों में शामिल है, जिन्हें दर्शकों ने आज भी बेहद पसंद किया जाता है। यह फिल्म एक ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई थी और कम बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस फिल्म ने 34 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सभी को चौंका दिया था। इस फिल्म में संजय दत्त, अरशद वारसी, बोमन ईरानी और सुनील दत्त जैसे दिग्गज कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। इन कलाकारों के दमदार अभिनय और फिल्म की मजेदार कहानी ने इसे दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया। संजय दत्त के करियर की यह फिल्म उनकी सबसे आइकॉनिक फिल्मों में गिनी जाती है, और इसका जिक्र उनकी बायोपिक फिल्म में भी किया गया है। मुन्ना भाई एमबीबीएस' को सिर्फ एक कॉमेडी फिल्म नहीं बल्कि एक भावनात्मक और सामाजिक संदेश देने वाली फिल्म के रूप में भी देखा जाता है। फिल्म में डॉक्टर और मरीजों के रिश्ते को एक अलग नजरिए से दिखाया गया था, जिसने दर्शकों के दिलों को छू लिया। फिल्म के निर्देशक राजकुमार हिरानी ने इस फिल्म को बनाने में काफी मेहनत की थी और कहानी को प्रभावशाली बनाने के लिए कई सीन शूट किए गए थे। हालांकि, फिल्म के अंतिम एडिटिंग चरण में कुछ दृश्यों को हटा दिया गया था, ताकि फिल्म की गति और प्रभाव को बेहतर बनाया जा सके। जानकारी के अनुसार, कई ऐसे सीन भी थे जिन्हें शूट तो किया गया था लेकिन बाद में उन्हें फिल्म से स्क्रैप कर दिया गया। इन सीनों को हटाने का फैसला कहानी को ज्यादा सटीक और प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से लिया गया था। आज भी फिल्म के इन अनदेखे सीन और बिहाइंड द सीन किस्सों को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी रहती है। फैंस अक्सर यह जानना चाहते हैं कि अगर ये हटाए गए सीन फिल्म में होते तो कहानी कैसी होती। राजकुमार हिरानी की यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक मील का पत्थर मानी जाती है, जिसने कॉमेडी और इमोशन का एक बेहतरीन संतुलन पेश किया। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' की सफलता ने इसके बाद आने वाली फिल्मों के लिए भी एक नई दिशा तय की। इस तरह, यह फिल्म सिर्फ एक हिट प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक कल्ट क्लासिक बन चुकी है, जिसकी चर्चा आज भी फिल्म प्रेमियों के बीच होती रहती है

मरना चाहती है हरियाणवी डांसर

हरियाणवी डांसर डिंपल चौधरी का हाल ही में लोगों संग गाली-गलौज करते हुए वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ी। अब डिंपल ने अपने गाली-गलौज वाले वीडियो पर रिएक्ट किया है। उन्होंने यह भी बताया कि वो मानसिक तौर पर काफी ज्यादा परेशान हैं। उन्हें आत्महत्या के ख्याल आ रहे हैं। डिंपल ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि जब ये सब हुआ तब वो अपने परिवार के साथ थीं. डिंपल वीडियो में कहती दिख रही हैं-जो तुम वीडियो बना रहे हो कि हम फोटो खिंचवाने गए,फोटो नहीं दिया। बहुत बदतमीज लड़की है,गाली दे रही है. इसका यह कर दो,वो कर कर दो. इसका यह हो जाना चाहिए,वो हो जाना चाहिए।.'पहली बात तो यह है कि तुम्हारे अंदर थोड़ा-बहुत दिमाग है या नहीं? कोई लड़की अपने परिवार के साथ है,अपने भाई-बहन के साथ है और तुम उसे परेशान कर रहे हो. उसकी प्राइवेसी में दखल दे रहे हो. तुम्हारा मैंने कुछ ले-देकर रखा है? अगर तुम यह चीज प्यार से कहते कि डिंपल जी,मैडम जी या बहन जी, एक फोटो दे दीजिए,' तो क्या मैं आपको फोटो नहीं देती? डिंपल आगे बोलीं- मेरे इंस्टाग्राम अकाउंट पर जाकर देख लेना मैं कितना रुक-रुककर लोगों को फोटोज देती हूं। मैं गाड़ी से उतरकर भी लोगों को फोटो देती दूं। मुझे बदनाम कर रहे हो कि मुझमें घमंड है, कौन सा घमंड मुझमें नजर आ गया? डिंपल ने वीडियो में यह भी कहा कि उन्हें आत्महत्या के ख्याल आ रहे हैं. उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है. उन्होंने दावा किया कि लगातार हो रही आलोचना और ट्रोलिंग ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया है. उन्होंने यह भी कहा कि वो खुद को मजबूत बनाए रखने और कोई गलत कदम न उठाने की पूरी कोशिश कर रही हैं,लेकिन वो काफी परेशान हैं. डिंपल बोलीं- वैसे भी मुझे यह दुनिया जीने नहीं दे रही। मतलब मैं अपने घर से बाहर भी न जाऊं? क्यों ऐसे हालात पैदा कर रहे हो कि मैं खुद आत्महत्या कर लूं? मैं बहुत कोशिश कर रही हूं कि कुछ गलत न करूं। मैं ठीक नहीं हूं. मेरे दिमाग की स्थिति ठीक नहीं है। प्लीज,मुझे मत छेड़ो। ऐसा मत करो यार। मैं तुम्हारे सामने हाथ जोड़ रही हूं. तुम्हारे पैर भी पकड़ लूंगी,ऐसा मत करो। मुझे बदनाम मत करो।

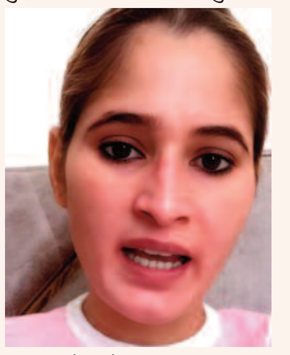

खेल समाचार

क्रिकेट इतिहास में पहली बार खिलाड़ी के नाम दर्ज हुआ ये रिकॉर्ड

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच में उतरते ही 200 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी बन गई हैं... आज को किसी भी खिलाड़ी ने ऐसा कारनामा नहीं किया है...

नई दिल्ली,21 जून 2026। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने वर्ल्ड क्रिकेट में एक ऐसा इतिहास रच दिया है, जो आज तक कोई भी पुरुष या महिला खिलाड़ी नहीं कर सका। 21 जून 2026 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैनचेस्टर में खेले जा रहे महिला टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में मैदान पर कदम रखते ही हरमनप्रीत 200 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बन गई हैं। यह ऐतिहासिक उपलब्धि हरमनप्रीत के शानदार करियर, उनकी फिटनेस और पिछले लगभग दो दशकों से क्रिकेट के प्रति उनके समर्पण की गवाही देती है।

2009 से शुरू हुआ सफर,आज बनीं विश्व क्रिकेट की क्वीन

साल 2009 में अपने टी20 इंटरनेशनल करियर की शुरुआत करने वाली हरमनप्रीत कौर हमेशा से भारतीय क्रिकेट का एक बड़ा चेहरा रही हैं। उन्होंने न केवल अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को कई यादगार जीतें दिलाई हैं, बल्कि अपनी आक्रामक और विस्फोटक बल्लेबाजी से दुनिया भर के गेंदबाजों के दिलों में खौफ पैदा किया है। भारत में महिला क्रिकेट को आज जिस मुकाम पर देखा जा रहा है, उसे वहां तक पहुंचाने में हरमनप्रीत का योगदान सबसे अतुलनीय रहा है।

महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी

हरमनप्रीत कौर (भारत): 200 मैच
सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड): 184 मैच
डैनी व्याट-हॉज (इंग्लैंड): 183 मैच
एलीस पेरी (ऑस्ट्रेलिया) :177 मैच
स्मृति मंधाना (भारत) : 168 मैच

आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा

हरमनप्रीत कौर का यह 200वां मैच भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बेहद गर्व का क्षण है। लगभग 17 साल के इस लंबे करियर में कई उतार-चढ़ाव देखने के बावजूद, उन्होंने देश के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। उनका यह महा-रिकॉर्ड न केवल भारत बल्कि दुनिया भर की युवा लड़कियों को क्रिकेट बैट थामने और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित करेगा।

सूजी बेट्स और डैनी व्याट को बहुत पीछे छोड़ा

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने के मामले में हरमनप्रीत कौर अब दुनिया के सभी पुरुष और महिला क्रिकेटरों की सूची में सबसे ऊपर पहुंच चुकी हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की दिग्गज सूजी बेट्स को काफी पीछे छोड़ दिया है।

वनडे सीरीज में टीम इंडिया से खिलाड़ी उतरेंगे मैदान में

नई दिल्ली,21 जून 2026। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान 21 जून (रविवार) को कर दिया गया. 15 सदस्यीय टीम में पूर्व कप्तान विराट कोहली को भी शामिल किया गया है, जो फिलहाल पूरी तरह फिट नहीं है। कोहली की उपलब्धता फिनटेस क्लियरेंस के अधीन है। यानी फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही वो इस सीरीज में भाग ले पाएंगे।

टीम सेलेक्शन की सबसे बड़ी बात यह है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी अब वनडे सेटअप में लौट आए हैं। बुमराह आखिरी बार 2023 के क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय टीम के लिए 50 ओवर्स क्रिकेट खेले थे। ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी वनडे टीम में वापस लौटे हैं. अक्षर अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम का पार्ट नहीं थे।

यशस्वी जायसवाल,प्रिंस यादव और हर्ष दुबे भी वनडे टीम का पार्ट नहीं हैं। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार 110 रन बनाए थे। अब विराट कोहली के वापस लौटने पर उनकी स्क्वॉड से छुट्टी हो गई है। यशस्वी को कोहली के इंजर्ड होने पर ही अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में चुना गया था।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम:-शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली (फिटनेस क्लियरेंस के अधीन),श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान),केएल राहुल (विकेटकीपर),ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर,अक्षर पटेल,नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव,जसप्रीत बुमराह,प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा,अर्शदीप सिंह और गुरनूर बरार।

इंडियन एथलेटिक्स अवार्ड्स में नीरज चोपड़ा और पारुल चौधरी को बेस्ट एथलीट का सम्मान

नई दिल्ली,21 जून 2026। पहले इंडियन एथलेटिक्स अवार्ड्स समारोह में भारतीय खेल जगत के शीर्ष एथलीटों को सम्मानित किया गया। इस भव्य आयोजन में ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को पुरुष वर्ग में और पारुल चौधरी को महिला वर्ग में 'बेस्ट एथलीट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय एथलेटिक्स के प्रदर्शन और उपलब्धियों को पहचान देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। समारोह में युवा प्रतिभाओं को भी विशेष सम्मान दिया गया। शाहनवाज़ खान और पूजा को 'बेस्ट इमर्जिंग एथलीट' यानी सबसे होनहार उभरते एथलीट के रूप में चुना गया। इस श्रेणी में उन खिलाड़ियों को शामिल किया गया जिन्होंने हाल के वर्षों में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। यह पुरस्कार एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा शुरू किए गए हैं, और इसका आयोजन भारतीय एथलेटिक्स इकोसिस्टम में उत्कृष्ट प्रदर्शन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल जगत से जुड़े गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। इनमें वर्ल्ड एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष अडिल जे. सुमारिवाला, श्रीलंका एथलेटिक्स के अध्यक्ष कोरोटागे बिमल प्रसन्ना और मालदीव के खेल आयुक्त मोहम्मद थोलल शामिल थे। सभी ने भारतीय एथलेटिक्स के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय एथलेटिक्स ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि भारतीय एथलीटों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। उनके अनुसार, इंडियन एथलेटिक्स अवार्ड्स उन सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और संस्थाओं को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है, जो इस विकास यात्रा में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे पुरस्कार भारतीय खेल प्रणाली को और मजबूत करेंगे और युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे। खेल मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार और खेल संस्थान मिलकर एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। कार्यक्रम के दौरान एथलेटिक्स जगत के विकास, खिलाड़ियों की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

अम्बिकापुर में राज्य स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम,हजारों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास....

योग को जीवन का हिस्सा बनाएं,स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री बोले...योग भारत की अमूल्य देन,दुनिया ने अपनाई भारतीय परंपरा

अंबिकापुर,21 जून 2026। योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने वाली जीवन पद्धति है। बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना जरूरी है। स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ परिवार,समाज और विकसित राष्ट्र की मजबूत नींव होता है। यह बात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में हजारों नागरिकों, विद्यार्थियों,महिलाओं,युवाओं,जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ योगाभ्यास किया। इस दौरान पूरा मैदान योगमय नजर आया। लोगों ने विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग भारत की सनातन ऋषि परंपरा का अमूल्य उपहार है। भारत ने योग के माध्यम से पूरी दुनिया को स्वस्थ,संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन जीने की राह दिखाई है। आज विश्व के करोड़ों लोग योग को अपना रहे हैं, यह भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा का गौरव है।

योग सिर्फ अभ्यास नहीं,जीवन जीने की कला है...

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि योग को केवल एक आयोजन तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसे जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से मजबूत और भावनात्मक रूप से संतुलित बनाता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, अनिद्रा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापा जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे समय में योग स्वास्थ्य सुरक्षा का सरल और प्रभावी माध्यम है। योग व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच विकसित करता है।

प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को मिली वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को विश्व स्तर पर नई पहचान मिली है। वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत द्वारा रखे गए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को रिकॉर्ड समर्थन मिला था। इसके बाद पूरी दुनिया ने 21 जून को योग दिवस के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति और वैश्विक नेतृत्व का उदाहरण है कि आज योग किसी एक देश या समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी मानवता के लिए स्वास्थ्य और शांति का माध्यम बन गया है।

स्वस्थ आयु के लिए योग जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' वर्तमान समय की जरूरत को दर्शाती है। हर उम्र के व्यक्ति के लिए योग उपयोगी है। बच्चों में एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ाने, युवाओं में ऊर्जा और अनुशासन लाने तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संरक्षण में योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग की उपयोगिता को स्वीकार कर रहा है। योग शरीर को निरोग रखने के साथ मन को शांत और विचारों को सकारात्मक बनाता है।

योग के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में योग के विस्तार और संस्थागत विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। योग विषय को समाज कल्याण विभाग से चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य योग को गांव-गांव, स्कूलों, कॉलेजों और के हर वर्ग तक पहुंचाना है, ताकि स्वस्थ जीवनशैली को जनआंदोलन बनाया जा सके।

बच्चों और युवाओं से योग अपनाने की अपील : मुख्यमंत्री ने बच्चों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि योग को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करें। योग केवल शरीर को मजबूत नहीं बनाता बल्कि सोचने की क्षमता, एकाग्रता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अभी तक योग शुरू नहीं किया है, वे आज से इसकी शुरुआत कर सकते हैं, क्योंकि अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुरुआत करने का कोई निश्चित समय नहीं होता।

स्वर्गीय रूपनारायण सिन्हा को किया याद : मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ योग आयोग के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय रूपनारायण सिन्हा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि प्रदेश में योग के प्रचार-प्रसार में उनका योगदान हमेशा प्रेरणादायी रहेगा। योग को घर-घर तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ योग आयोग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आयोग स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जनजातीय युवाओं की सफलता का किया उल्लेख : मुख्यमंत्री ने जनजातीय युवाओं के भविष्य को लेकर राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। हाल ही में जनजातीय वर्ग के 13 युवाओं ने यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में सफलता हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को अवसर, संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री जायसवाल ने भी बताए योग के फायदे : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में योग का विशेष महत्व है। ब्रह्ममुहूर्त में योगाभ्यास स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन धरोहर है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से विश्व स्तर पर सम्मान मिला है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद : कार्यक्रम में विधायक प्रबोध मिंज, विधायक रामकुमार टोप्पो,छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष संजय अग्रवाल,गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, राज्य युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर,जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष राम किशुन सिंह,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव,महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, पूर्व सांसद कमलभान सिंह मरावी,अखिलेश सोनी,भारत सिंह सिसोदिया,सरगुजा कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा,आईजी दीपक झा,आयुष विभाग संचालक राजेंद्र कुमार कटारा, कलेक्टर अजीत वसंत, एसएसपी राजेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और शहरवासी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल के कार्यकाल पर वरिष्ठजनों का लिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त शिक्षक बृजेश पांडे से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के सफल कार्यकाल के अवसर पर प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों के तहत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रविवार को अम्बिकापुर में वरिष्ठजनों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक श्री बृजेश पांडे के निवास पहुंचकर उनसे भेंट की और उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लगातार जनता का विश्वास हासिल करते हुए 12 वर्षों तक देश का नेतृत्व किया है। यह देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास,सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। गरीबों, युवाओं, महिलाओं और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी उपलब्धि को लेकर प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त शिक्षक श्री बृजेश पांडे से मुलाकात के दौरान कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा देने का कार्य नहीं करते,बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके अनुभव, संस्कार और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का आशीर्वाद और अनुभव समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लिए वरिष्ठ नागरिकों का आशीर्वाद प्राप्त करने के उद्देश्य से यह विशेष संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी देश की सेवा और विकास के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रहे हैं। वरिष्ठजनों का आशीर्वाद उन्हें और अधिक ऊर्जा प्रदान करेगा, जिससे देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास जारी रहेगा।

योग को जीवनशैली में शामिल करें : रमेन डेका

राज्यपाल रमेन डेका आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित योग शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन किया एवं सामूहिक योगाभ्यास में भाग लिया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि यह हर्ष का विषय है कि पूरा छत्तीसगढ़ इस ऐतिहासिक अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों के स्वस्थ,सुखी और समृद्ध रहने की कामना की। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से कहा कि योग को जीवनशैली में शामिल करें, प्रतिदिन योगाभ्यास की आदत बनाए और बच्चों को भी इसकी आदत डाले जिससे उनका शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और वे भविष्य में देश के अच्छे नागरिक बनेंगे। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को ही नहीं बल्कि मन और भावनाओं को सुदृढ़ बनाकर व्यक्ति के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। योगाभ्यास में विधायक पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, सुनील सोनी एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण,मुख्य सचिव विकास शील,पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना,पुलिस कमिश्नर रायपुर संजीव शुक्ला,रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी,दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं, छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में शामिल हुए। राजधानी रायपुर के लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में सामूहिक योगाभ्यास हुआ। योगाभ्यास में राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना,विधिक सलाहकार सत्यभामा अजय दुबे,उप सचिव निधि साहू सहित लोकभवन के अधिकारी, कर्मचारी शामिल हुए।

डंपर पलटने से ऑपरेटर की मौत ओबी डंप क्षेत्र में हुआ हादसा

कोरबा,21 जून 2026। सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम कोल् इंडिया की अनुसांगिक कंपनी एसईसीएल बिलासपुर के अधीन कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित एवं संचालित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत एसईसीएल की मेगा परियोजना कोयला खदान कुसमुंडा परियोजना में एक घटित हादसे में डंपर ऑपरेटर की मृत्यु हो गई। घटना के बाद खदान क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, 29 वर्षीय सत्यनारायण अर्धरात्रि लगभग 12.30 बजे ओबी (ओवरबर्डन) डंप क्षेत्र में डंपर का संचालन कर रहे थे। इसी दौरान डंपर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा इतना गंभीर था कि डंपर के केबिन में फंसने से ऑपरेटर सत्यनारायण की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही खदान प्रबंधन, सुरक्षा विभाग के अधिकारी और बचाव दल मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद डंपर में फंसे ऑपरेटर को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया तथा परिजनों को घटना की सूचना दी गई। हादसा ओबी डंप क्षेत्र में कार्य के दौरान हुआ है। हालांकि डंपर पलटने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। खदान प्रबंधन द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल प्रबंधन द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है तथा मृतक के परिजनों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

कोटा बना नगर पालिका राजपत्र में अधिसूचना जारी

रायपुर,21 जून 2026। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव द्वारा बिलासपुर जिले के कोटा नगर पंचायत को नगर पालिका बनाने की घोषणा पूरी हो गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने कोटा के नगर पंचायत से नगर पालिका में उन्नयन के संबंध में अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित कर दी है। विभाग द्वारा प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार नगर पंचायत कोटा की सीमाएं ही नगर पालिका कोटा की सीमाएं होंगी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने कहा कि राज्य सरकार जनता से किए गए वादों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि, 14 अगस्त 2025 को जनभावना के अनुरूप नगर पालिका बनाने घोषणा की थी। और अब कोटा को नगर पालिका का दर्जा देकर वादा पूरा किया है। कोटा को हमने नगर पालिका बनाया है, इसे हम ही संवारेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नगर पालिका बनने से नगर के विकास कार्यों में तेजी आएगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 5(1)(क) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन ने नगर पालिका कोटा का गठन किया है। अधिसूचना के अनुसार, पूर्ववर्ती नगर पंचायत कोटा का क्षेत्र ही नगर पालिका कोटा की सीमा होगा।

रायपुर में टपरी पर राहुल गांधी ने पी चाय...बैज को खिलाया बिस्किट

अभनपुर में जिलाध्यक्षों को दी ट्रेनिंग,कार्यक्रम से बाहर रह गए महंत

रायपुर,21 जून 2026। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ के अभनपुर पहुंचे। जहां वे कांग्रेस के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए। यहां उन्होंने 40 मिनट तक सीनियर नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद जिलाध्यक्षों, शहर अध्यक्षों के साथ सीधी बातचीत की। करीब 4 घंटे के प्रोग्राम के बाद वे एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। इससे पहले एयरपोर्ट के पास ही रुककर राहुल गांधी ने टपरी पर चाय पी और पीसीसी चीफ दीपक बैज को बिस्किट खिलाया। इस दौरान सचिन पायलट, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, चरणदास महंत समेत कई सीनियर नेता मौजूद रहे। बता दें कि अभनपुर में चल रहा शिविर पूरी तरह से गोपनीय है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता दूर-दूर से पहुंचे हुए थे। यहां कार्यकर्ताओं की इतनी भीड़ रही कि नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत धक्का-मुक्की के बीच गेट के बाहर ही रह गए थे। इसका वीडियो भी सामने आया है।

सीनियर नेताओं से मिले राहुल गांधी

पूर्व मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने बताया कि, राहुल गांधी ने कार्यक्रम में सीनियर नेताओं और पूर्व मंत्रियों से करीब 40 मिनट तक मुलाकात की। इसके साथ ही करीब 70 लोगों का डेलिगेशन भी राहुल गांधी से मिला, जिसमें पूर्व विधायक, सांसद और अन्य पदाधिकारी शामिल थे। प्रदेश की राजनीति को लेकर राहुल गांधी से चर्चा हुई है। इसके बाद उन्होंने जिलाध्यक्षों को ट्रेनिंग दी।

बाइक चलाकर राहुल गांधी से मिलने पहुंचा था कार्यकर्ता

सक्ती जिले के जैजपुर से आए ब्लॉक अध्यक्ष कौशिक चंद्र ने बताया कि, बाइक चलाकर राहुल गांधी से मुलाक़ात करने दिल्ली गया, लेकिन मुलाकात नहीं हो पाई। आज फिर बाइक से यहां मिलने आया हूं।

राहुल भ्रष्टाचार की ट्रेनिंग देने आए हैं : पुरंदर मिश्रा

राहुल गांधी के दौरे को लेकर भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा कि, राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि यही भगवान राम हैं, जिनके अस्तित्व को राहुल गांधी ने कभी स्वीकार नहीं किया था। राहुल गांधी यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं को क्या सिखाने आ रहे हैं। क्या वे भ्रष्टाचार की ट्रेनिंग देने आए हैं या फिर 'आलू से सोना निकालने' जैसी बातें सिखाने आ रहे हैं। वहीं, पुरंदर मिश्रा के बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि पुरंदर मिश्रा मानसिक रूप से परेशान हो चुके हैं और उन्हें इलाज की जरूरत है।

मिश्रा 'एक्सीडेंटल विधायक' हैं : विकास

विकास उपाध्याय ने तंज कसते हुए कहा कि यदि भाजपा उनका इलाज नहीं करा पा रही है, तो कांग्रेस इसके लिए भी तैयार है। पुरंदर मिश्रा अपना राजनीतिक कद बढ़ाने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। मिश्रा 'एक्सीडेंटल विधायक' हैं, वे अनावश्यक बयानबाजी कर सुर्खियां बटोरने की कोशिश कर रहे हैं।

जिला-शहर अध्यक्षों के लिए प्रशिक्षण शिविर

कांग्रेस का 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार से अभनपुर के चांदी मोड़ स्थित आशुतोष-अलका अग्रवाल मंगल भवन में शुरू हो चुका है। संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित इस शिविर में प्रदेशभर के नवनियुक्त जिला और शहर कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हुए हैं। शिविर को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखा गया है। कांग्रेस नेताओं को गांवों में रुककर ग्रामीणों से संवाद करने, मनरेगा की जमीनी स्थिति समझने, नशे की समस्या पर चर्चा करने और स्थानीय सामाजिक-आर्थिक हालात का अध्ययन करने की जिम्मेदारी दी गई है।

री-नीट परीक्षा,रायपुर में एग्जाम सेंटर के बाहर हंगामा....

चप्पलें-बाली उतरवाई गई,स्टूडेंट्स बोले- दोबारा एग्जाम से स्ट्रेस में,3-लेयर जांच के बाद मिली एंट्री

रायपुर,21 जून 2026। छत्तीसगढ़ में इस परीक्षा में करीब 45 हजार कैंडिडेट्स शामिल हुए हैं। पूरे प्रदेश में 127 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जबकि रायपुर में 25 केंद्रों में परीक्षा हो रही है। एनटीए की गाइडलाइन के अनुसार कड़ी जांच के बाद स्टूडेंट्स को एंट्री दी गई। रायपुर के चौबे कॉलोनी स्थित मायाराम सुरजन शासकीय विद्यालय के बाहर हंगामा हो गया। परीक्षा केंद्र में एक छात्र को पहले दो स्तर की सुरक्षा जांच के बाद प्रवेश दे दिया गया,लेकिन बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान उसे यह कहकर वापस भेज दिया गया कि उसके एडमिट कार्ड में परीक्षा केंद्र दूसरा दर्ज है। बताया जा रहा है कि छात्र करीब 10 से 15 मिनट तक केंद्र के अंदर रहा, जिसके बाद उसे बाहर आने के लिए कहा गया। इस वजह से छात्र एग्जाम नहीं दे पाया। इसके अलावा जगदलपुर के पीजी कॉलेज के बाहर नीट पेपर लीक मामले को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद कार्यकर्ताओं और पुलिस जवानों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। मौके पर कुछ देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। सुरक्षा जांच और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया में लगभग आधा घंटा लग रहा था। स्टूडेंट्स को गाइड करने के लिए अनाउंसमेंट किया गया। ताकि अभ्यर्थी किसी भी तरह की जल्दबाजी या परेशानी से बचने के लिए समय रहते परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर लें। रायपुर के एक सेंटर में छात्रा की चप्पलें बदलवाई गई। जगदलपुर, दुर्ग और अन्य जिलों में भी सख्ती से जांच कर स्टूडेंट्स को अंदर प्रवेश दिया गया। स्टूडेंट्स ने कहा कि दोबारा परीक्षा होने से वे स्ट्रेस में हैं। वहीं कुछ सेंटर्स पर पेरेंट्स के लिए कोई सुविधा नहीं की गई। परिजन धूप में इंतजार करते नजर आए।

योग दिवस पर तस्वीर खोजासन! पोस्टर से फोटो गायब देख भड़के साजा विधायक,मंच छोड़ चले गए बाहर

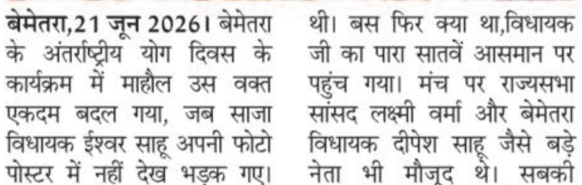

बेमेतरा,21 जून 2026। बेमेतरा के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में माहौल उस वक्त एकदम बदल गया, जब साजा विधायक ईश्वर साहू अपनी फोटो पोस्टर में नहीं देख भड़क गए। कार्यक्रम की गरिमा और योग की शांति के बजाय वहां नाराजगी और सियासत का शोर सुनाई दिया। योग दिवस के लिए शहर में जगह-जगह बैनर-पोस्टर लगाए गए थे। मंच के पास भी सजावट की गई थी। लेकिन जैसे ही विधायक ईश्वर साहू वहां पहुंचे,उनकी नजर पोस्टरों पर गई। उन्होंने देखा कि कार्यक्रम में बेमेतरा और नवागढ़ के विधायकों के फोटो तो थे,लेकिन उनकी फोटो कहीं नहीं थी। बस फिर क्या था,विधायक जी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। मंच पर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा और बेमेतरा विधायक दीपेश साहू जैसे बड़े नेता भी मौजूद थे। सबकी मौजूदगी में ईश्वर साहू ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने तल्ख लहजे में कहा...मंच पर मेरा फोटो नहीं थी,मुझे नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है। यह सब जानबूझकर किया गया है।

अगर आयोजक चाहते तो दो घंटे में पोस्टर बदल सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने साफ कह दिया कि वे इसकी उच्च स्तरीय शिकायत करेंगे और जांच की मांग करेंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)